दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। रविवार 18 जनवरी -2026 | ● वर्ष : 11 अंक : 30 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

बांग्लादेश में नहीं थम रहा हिंदुओं पर अत्याचार
एक और हिंदू व्यापारी को पीट-पीटकर मार डाला

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बीते दो दिनों में गाजीपुर और राजबाड़ी जिलों से दो हिंदुओं की हत्या की घटनाओं ने तनाव बढ़ा दिया है। गाजीपुर के कालिगंज में शनिवार सुबह होटल व्यवसायी लिटन चंद्र घोष की मामूली विवाद के बाद पीट-पीटकर और बेलचे से वार कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दो दिनों में दो अलग-अलग जिलों से दो हिंदुओं की हत्या के मामले सामने आए हैं, जिससे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है।

पीटा और बेलचे से किया वार : ताजा मामला शनिवार सुबह करीब 11 बजे गाजीपुर जिले के कालिगंज क्षेत्र का है, जहां एक हिंदू होटल व्यवसायी लिटन चंद्र घोष उर्फ काली (60) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। लिटन घोष इलाके में बोयीशाखी स्वीट एंड होटल नाम से एक होटल चलाते थे। जानकारी के मुताबिक, होटल में काम करने वाले कर्मचारी अनंत दास की एक ग्राहक से मामूली कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई।

इसी दौरान अपने कर्मचारी को बचाने के लिए लिटन चंद्र घोष बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन पर ही हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपियों ने लिटन घोष पर घूंसे और लातों से हमला किया और एक बेलचे से भी वार किया। गंभीर रूप से घायल लिटन घोष मौके पर ही गिर पड़े और स्थानीय लोग कुछ कर पाते, उससे पहले ही उनकी मौत हो गई।

तीन आरोपी हिरासत में : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में यह मामला मामूली विवाद से जन्मा हिंसा का लग रहा है, हालांकि जांच जारी है। इस घटना के बाद कालिगंज इलाके में शोक और तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गाड़ी से कुचलकर हत्या : इससे एक दिन पहले भी बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या का मामला सामने आया था। घटना राजबाड़ी जिले के सदर उपजिला की थी, जहां 30 वर्षीय रिपन साहा की कथित तौर पर जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना शुक्रवार को हुई, जिसके बाद इलाके में भारी तनाव और आक्रोश फैल गया।

मृतक रिपन साहा राजबाड़ी के गोलांदा मोड़ के पास स्थित करीम फिलिंग स्टेशन पर काम करते थे। बताया गया है कि एक वाहन चालक ने पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाया, लेकिन भुगतान करने से इनकार कर दिया। जब रिपन साहा ने उसे रोकने की कोशिश की, तो आरोपी चालक ने जानबूझकर गाड़ी रिपन के ऊपर चढ़ा दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रांसफार्मर अग्निकांड के घायलों का हाल जानने
अस्पताल पहुंचे कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा
इलाज की व्यवस्था देखी, प्रशासन को दिए त्वरित उपचार और सुरक्षा के निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा क्षेत्र में ट्रांसफार्मर में आग लगने की दर्दनाक घटना के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक सुनील शर्मा अस्पताल पहुंचे और घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। मंत्री ने एक-एक कर घायलों से बातचीत की और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की स्थिति एवं चल रहे उपचार की विस्तृत जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और इलाज से जुड़ी हर आवश्यकता तत्काल पूरी की जाएगी। मंत्री ने अस्पताल प्रशासन से दवाइयों, जांच और चिकित्सीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा।

घायलों के परिजनों से बातचीत करते हुए मंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि शासन-प्रशासन हर स्तर पर उनकी मदद करेगा। साथ ही प्रशासन को निर्देश दिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ट्रांसफार्मरों और विद्युत सुरक्षा व्यवस्थाओं की गंभीरता से समीक्षा की जाए।

ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं: सुनील शर्मा

खोड़ा क्षेत्र में हुई यह घटना बेहद दुखद है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। सभी घायलों को त्वरित और समुचित उपचार मिले, इसके निर्देश प्रशासन को दिए गए हैं। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

पीएम ने असम में भी उठाया घुसपैठ का मुद्दा

कहा- कांग्रेस को घुसपैठिये पसंद...उनके कट्टर वोट बैंक

नई दिल्ली। बंगाल के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने असम में भी एक जनसभा को संबोधित किया। यहां पर भी उन्होंने घुसपैठ का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रयासों का नतीजा आज सबके सामने है। उन्होंने कहा कि असम में शांति, विकास और आत्मविश्वास लौट रहा है। खासकर बोडो समाज के युवाओं में नई ऊर्जा दिखाई दे रही है, जो अब सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे असम के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज बोडो समाज के युवा असम के सांस्कृतिक दूत बन रहे हैं। खेल के मैदान से लेकर कला और संस्कृति तक, बोडो समाज के बेटे-बेटियां देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये युवा नए विश्वास के साथ बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा भी कर रहे हैं। पीएम मोदी के मुताबिक, बोडो समाज की यह प्रगति असम को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रही है।

असम की संस्कृति पर कांग्रेस को आपत्ति क्यों?

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब भी असम की कला, संस्कृति और पहचान का सम्मान किया जाता है, कांग्रेस को तकलीफ होती है। उन्होंने सवाल किया कि भूपेन हजारिका को भारत रत्न देने का विरोध किसने किया था। जवाब खुद कांग्रेस है। पीएम मोदी ने कहा कि जब वे असम की संस्कृति से जुड़ी कोई चीज पहनते हैं, जैसे गमोछा, तो कांग्रेस उसका मजाक उड़ाती है। यह दिखाता है कि कांग्रेस को असम की पहचान कभी स्वीकार नहीं रही।

कांग्रेस की सरकारों पर इन बिंदुओं पर बरसे प्रधानमंत्री

मैंने जितनी बार असम का दौरा किया है, उतना आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने नहीं किया।

'बागुरुम्बा दोहोउ' डांस परफॉर्मेंस सिर्फ एक उत्सव नहीं, यह बोडो समुदाय के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

अब असम में गोलियों की आवाज की जगह संगीत वाद्ययंत्रों की आवाज सुनाई देती है।

बोडो शांति समझौते ने असम में वर्षों से चले आ रहे अशांति को समाप्त किया और शिक्षा एवं प्रगति के नए रास्ते खोले। कांग्रेस ने यह सुनिश्चित किया कि असम का बोडोलैंड मुख्यधारा से कटा रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि असम में सेमीकंडक्टर यूनिट लगने का विरोध भी कांग्रेस ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की कर्नाटक सरकार के एक मंत्री, जो कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे हैं, ने सवाल उठाया कि यह यूनिट असम में क्यों लग रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस को पूर्वोत्तर का विकास कभी रास नहीं आया, इसलिए वह हर बड़े प्रोजेक्ट का विरोध करती रही है।

घुसपैठ और अस्थिरता का आरोप किस पर?

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने सियासी फायदे के लिए असम में अस्थिरता पैदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को विदेशी घुसपैठिए पसंद हैं, क्योंकि वे उनका कट्टर वोट बैंक बन जाते हैं। कांग्रेस के शासन में घुसपैठिए आते रहे, असम की लाखों बीघा जमीन पर कब्जा करते रहे और सरकारें मूकदर्शक बनी रहीं। पीएम मोदी ने कहा कि यही वजह रही कि असम लंबे समय तक हिंसा और अशांति से जूझता रहा।

डबल इंजन सरकार का दावा क्या है?

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज सीएम सरमा की सरकार असम के लोगों की जमीन को घुसपैठियों से मुक्त करा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा असम और पूरे पूर्वोत्तर को उपेक्षा की नजर से देखा। बोडो क्षेत्र की उम्मीदों और जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। पीएम मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस के पुराने पापों को साफ करने का काम आज भाजपा की डबल इंजन सरकार कर रही है।

बंद कमरे में थमती गईं सांसें, अंजान रहे परिजन... मां शाहिस्ता को तो पता भी नहीं उसने दो बच्चों को खो दिया

मुरादाबाद। मुरादाबाद के कांठ के छजलैट में शुक्रवार को ठंड से बचने के लिए कमरे में जलाई अंगीठी के कारण दम घुटने से दो बच्चों आहिल (4) और बेटी आयरा (3) की मौत और दंपती सहित तीन की हालत बिगड़ने की घटना से परिजनों के साथ ही हर कोई दुखी है।

वहीं जावेद की पत्नी शाहिस्ता की हालत फिर बिगड़ने पर मुरादाबाद के निजी अस्पताल से हायर सेंटर मेरठ रेफर कर दिया गया है। वह अभी होश में नहीं है, उसको तो यह भी नहीं पता है कि उसने हादसे में दो मासूम बच्चों को खो दिया है।

बता दें कि छजलैट निवासी जावेद की शादी करीब सात साल पहले जनपद बिजनौर अंतर्गत कस्बा चांदपुर के मोहल्ला सराय रफी मेव वाली मस्जिद की शाहिस्ता से हुई थी। शादी के बाद पति-पत्नी दोनों खुश थे और दोनों से चार बच्चे, जिसमें शिफान, तैमूर, आहिल और बेटी आयरा थे। लेकिन तीन साल पहले दिल की बीमारी से तैमूर की मौत हो गई थी।

अब शुक्रवार को इस हादसे में आहिल और आयरा की भी मौत हो गई। जिंदगी और मौत से अस्पताल में जूझ रही शाहिस्ता को तो अभी यह भी नहीं पता है कि उसने अपने दो जिगर के टुकड़ों को और खो दिया है। उसकी गोद में चार में से अब शिफान ही रह गया है।

छजलैट के चाय विक्रेता जावेद के बेटे आहिल (4) और बेटी आयरा (3) की कमरे में जलाई गई अंगीठी के धुएं से दम घुटने से हुई मौत के बाद गांव में माहौल गमगीन है। बताया जाता है कि जावेद के पांच साल के एक बेटे तैमूर की तीन साल पहले दिल की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। अब दो और बच्चों की मौत से इस परिवार पर गमों का पहाड़ टूट गया है। जावेद के दो बच्चों की मौत ने सभी को झकझोर दिया। सुबह से लेकर शाम तक लोग जावेद के घर आते रहे और हर किसी की जुबां पर बस यही शब्द था कि बहुत ही गहत हुआ है। ग्रामीण पीड़ित जावेद और उसके परिजनों को ढांढ्स बंधा रहे हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि जावेद और उसकी पत्नी कमरे में अंगीठी जलाकर सोते थे लेकिन हल्का सा दरवाजा खोलकर रखते थे। जिससे अंगीठी से निकलने वाला धुआं बाहर निकल जाए लेकिन रात दरवाजा पूरी तरह से बंद था।

पूरी रात कमरे में अंगीठी में कोयले जलते रहे और जहरीली गैस बनती रही। दरवाजा और खिड़की व रोशनदान बंद होने के कारण ऑक्सीजन भी कमरे में नहीं पहुंच पाई। पड़ोस में सो रहे जावेद के भतीजे और साले को कुछ पता नहीं चल पाया। जावेद की घर के पास ही कैंटीन है। रात करीब 11 बजे तक चाय की दुकान खोली थी।

बंद कमरे में थमती गईं सांसें, अंजान रहे परिजन

मुरादाबाद के छजलैट में बंद कमरे में सांसें थमती गईं और परिजन अन्जान रहे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और खिड़की व रोशनदान से न हवा आ रही थी और न ही धुआं बाहर निकल पा रहा था। जिस कारण धुएं से कमरे में गैस बन गई और दो बच्चे मौत की नींद सो गए।

पति नहीं दिव्या को चाहिए था पिंटू का प्यार: प्रेमी संग मिलकर मिटा दिया 'सुहाग', ईंट से कूच दिया नीरज का सिर

बुलंदशहर। प्रेम संबंधों में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की योजना बनाई। यह निर्मम हत्या यूपी के खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र में हुई, जिसका पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी दिव्या और उसके प्रेमी पिंटू को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रेम संबंध और हत्या की योजना

पुलिस के अनुसार, मृतक नीरज की पत्नी दिव्या का दिल्ली में रहने के दौरान एटा निवासी पिंटू से सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क हुआ। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। दिव्या, जो पहले से ही दो बच्चों की मां है, अपने पति नीरज से छुटकारा पाना चाहती थी ताकि वह अपने प्रेमी पिंटू के साथ रह सके। इसी चाहत में उसने पिंटू के साथ मिलकर नीरज की हत्या की साजिश रची।

शराब पार्टी के बहाने हत्या

17 साल पहले नीरज के साथ विवाह बंधन में बंधी दिव्या ने पिंटू के साथ मिलकर एक सुनियोजित ढंग से हत्या को अंजाम दिया। बीते 8 जनवरी को, उन्होंने नीरज को शराब पार्टी का लालच देकर खुर्जा बुलाया। शराब के नशे में धुत नीरज को एक खाली प्लाट में ले जाया गया। वहां पिंटू ने ईंटों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद, दोनों फरार हो गए।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और गिरफ्तारी

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के कुछ ही दिनों में मुख्य आरोपी पत्नी दिव्या और उसके प्रेमी पिंटू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है। इस सनसनीखेज खुलासे ने क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

ईरान की हिरासत में गाजियाबाद का बेटा: पिता ने की सरकार से वापस देश लाने की अपील, बोले- वो तो इंजीनियर है

गाजियाबाद। ईरान द्वारा कथित तौर पर जब्त किए गए एक तेल टैंकर के 16 चालक दल सदस्यों में शामिल एक इंजीनियर के पिता ने भारतीय अधिकारियों से अपने बेटे को छुड़ाने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। मुकेश मेहता ने बताया कि उनका बेटा केतन, दुबई स्थित प्राइम टैंकर एलएलसी द्वारा संचालित एमटी वेरिएंट रोलर नामक तेल टैंकर पर इंजीनियर के तौर पर काम कर रहा था।

केतन के पिता के अनुसार, यह जहाज पिछले महीने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर रोका गया था। इसके बाद, ईरानी अधिकारियों ने केतन और अन्य चालक दल के सदस्यों को हिरासत में ले लिया। पिता ने बताया कि केतन के हिरासत में लिए जाने की खबर सुनने के बाद से उनका परिवार लगातार भय और चिंता में जी रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका बेटा केवल ईमानदारी से आजीविका कमाने की कोशिश कर रहा था और उसने कोई अपराध या कानून का उल्लंघन नहीं किया है।

मुकेश मेहता ने भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय (एमईए) और शिपिंग के महानिदेशक से तत्काल हस्तक्षेप करने और अपने बेटे और अन्य चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राजनयिक कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने इस मामले को मानवीय आधार पर देखने और ईरान के साथ कूटनीतिक संबंधों का उपयोग करके अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने का आग्रह किया है। यह घटना अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और चालक दल के सदस्यों के अधिकारों पर भी सवाल उठाती है, खासकर जब वे शांतिपूर्ण व्यापारिक गतिविधियों में लगे हों। पिता को उम्मीद है कि सरकार इस संकट की घड़ी में परिवार का साथ देगी और उनके बेटे की सकुशल वापसी सुनिश्चित करेगी।

आतिशी के वीडियो पर सियासी बवाल: रिपोर्ट पर बोले कपिल मिश्रा- दूध का दूध पानी का पानी हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच का टकराव एक बार फिर तेज हो गया है। दिल्ली विधानसभा में आप नेता आतिशी के एक कथित विवादित बयान से जुड़े वीडियो की फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट ने इस मामले को नया मोड़ दे दिया है। रिपोर्ट आने के बाद दोनों पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, जिससे मामला और अधिक गरमा गया है।

दरअसल दिल्ली विधानसभा के विवादित वीडियो को लेकर दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बड़ा दावा किया है। विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि वीडियो की सच्चाई पर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी यानी एफएलएल की रिपोर्ट में वीडियो को ओरिजिनल और बिना किसी छेड़छाड़ के बताया गया है। वीडियो के विजुअल्स और ऑडियो के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या 'डॉक्टरिंग' नहीं की गई है।

एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद बोले कपिल मिश्रा

एफएलएल की रिपोर्ट के बाद भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोला। कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष जी को मिली फोरेंसिक रिपोर्ट अब पब्लिक में हैं। आतिशी ने सदन में जो पाप किया वो अब सत्यापित हो चुका है। उससे बड़ा पाप केजरीवाल ने किया, गुरुओं का अपमान करने वाली आतिशी को बचाने के लिए पंजाब पुलिस का दुरुपयोग किया। सत्य को कभी प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। आज दूध का दूध पानी का पानी हो गया।

आधे सच की रिपोर्ट लाकर भाजपा अपनी इज्जत बचाने की कोशिश में

आम आदमी पार्टी ने इस फोरेंसिक रिपोर्ट को 'झूठ और फजीर्वाड़े का पुलिंदा' करार दिया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी उनकी सोच और कल्पना से वाकिफ है। आम आदमी पार्टी दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'भाजपा किस तरह से सोच सकती है और कहां तक उनकी कल्पना जाती है, आम आदमी पार्टी उनकी रग-रग से वाकिफ है। 3 दिन पहले मैंने बता दिया था कि इनकी(भाजपा) फोरेंसिक रिपोर्ट में क्या आएगा। आधे सच की प्रेस वार्ता आपने आज सुबह-सुबह सुनी। मैं अब पूरी जिम्मेदारी से कह सकता हूं कि जो पंजाब की फोरेंसिक रिपोर्ट में कहा लगभग वही दिल्ली सरकार की भी फोरेंसिक रिपोर्ट में कहा गया।

सुरक्षित वतन लौटे संकट में फंसे भारतीय, परिजनों से मिल छलके जज्बात; बयां किए ईरान के खौफनाक मंजर

नई दिल्ली। ईरान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच शनिवार तड़के दिल्ली एयरपोर्ट पर राहत और भावुक पुनर्मिलन के दृश्य देखने को मिले। जैसे ही ईरान से लौटे भारतीय नागरिकों के विमान उतरे, बाहर इंतजार कर रहे परिजनों ने अपने अपनों को गले लगा लिया। किसी ने फूलों की माला पहनाई तो कहीं पिता ने बेटी को सीने से लगाकर राहत की सांस ली, आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी।

इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर परिवार करे रहे थे इंतजार

शुक्रवार रात से ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के बाहर परिवारों की भीड़ जुटी थी। हर यात्री समूह को उत्सुक निगाहों से देखा जा रहा था, इस उम्मीद में कि शायद अगला चेहरा उनका अपना हो।

छात्रों ने बताया कि ईरान के हालात बेहद तनावपूर्ण

ईरान से लौटे कई छात्रों ने वहां के हालात को बेहद तनावपूर्ण बताया। एक छात्रा ने कहा कि सड़कों पर माहौल असहज था और इंटरनेट बंद होने से वे पूरी तरह अलग-थलग महसूस कर रहे थे। भारत पहुंचकर परिवार को सामने देखना उनके लिए सुरक्षा और राहत का अहसास लेकर आया। एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि अनिश्चित हालात और संचार की कमी ने चिंता बढ़ा दी थी। यात्रा व्यवस्था की जानकारी मिलते ही राहत महसूस हुई और घर लौटकर परिवार से मिलना बेहद सुकून देने वाला रहा।

शिराज के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने बताया कि इंटरनेट बंद होने के कारण देशभर की स्थिति की सही जानकारी नहीं मिल पा रही थी, हालांकि उनके शहर में हालात अपेक्षाकृत ठीक थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे वाणिज्यिक उड़ान से अपने स्तर पर लौटी हैं।

भारतीय दूतावास की मदद से राहत मिली- परिजन

परिजनों ने बताया कि इंटरनेट ब्लैकआउट के दौरान उनकी चिंता चरम पर पहुंच गई थी। बाद में भारतीय दूतावास द्वारा संपर्क बहाल किए जाने और मदद शुरू होने से राहत मिली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। सरकार ने हालात सामान्य होने तक ईरान की यात्रा से बचने और उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी है।

यूपी : शुद्ध नहीं है सभी बोतलबंद पानी

राजधानी की 29 इकाइयों पर कसा शिकंजा; 24 जगहों पर मिली बेहद गंदगी

लखनऊ। मिनरल वाटर के नाम पर बोतलबंद पानी बेचने वाली 29 इकाइयों पर अब प्रशासन ने सख्ती की तैयारी कर ली है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की प्रारंभिक जांच में इन इकाइयों में कई तरह की कमियां पाई गई हैं, जिसके बाद इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिले में कुल 29 बोतलबंद पानी की इकाइयां हैं। शासन के निर्देश पर की गई जांच में पांच इकाइयां मौके पर बंद मिलीं थीं, जबकि शेष चालू मिलीं इकाइयों में साफ-सफाई, पानी के शोधन और पैकेजिंग प्रक्रिया में कमियां मिली हैं। अधिकारियों के अनुसार इनमें से कुछ इकाइयां मिनरल वाटर के निर्धारित मानकों तक की अनदेखी कर रहीं थीं। जिनसे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को खतरा है।

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ इकाइयों में मशीनों की नियमित सफाई नहीं हो रही थी और कर्मचारी सुरक्षा मानकों के पालन में भी लापरवाही बरत रहे थे। इन कमियों को गंभीर मानते हुए विभाग की ओर से संबंधित इकाइयों को नोटिस जारी की जा रही है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर लाइसेंस निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

एफएसडीए विभाग के अनुसार अगले चरण में पानी के नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाली इकाइयों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं की सेहत से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

ओम नगर मकान में लगी भयंकर आग

▶ दमकल की कोई गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, मकान की पहली और दूसरी मंजिल पर लगी थी आग

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। मोहननगर की ओमनगर कॉलोनी में शनिवार दोपहर एक मकान में अचानक आग लग गई। आग की लपटें देखते ही स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पा लिया।

दोपहर करीब 1:28 बजे ओमनगर कॉलोनी में मेट्रो पिलर नंबर 301 के पास की गली में एक मकान के पहले मंजिल से आग उठती दिखाई दी। सूचना मिलते ही साहिबाबाद फायर स्टेशन से कोई दमकल वाहन मौके पर भेजे गए।

दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि मकान के प्रथम तल पर आग काफी तेज थी, इसके बाद तुरंत पानी की लाइन बिछाकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया।

कड़ी मशक्कत के बाद पहले और दूसरे तल पर लगी आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। यह आग ओमनगर कॉलोनी की गली नंबर-4 में मकान नंबर 9ए में लगी थी, जो विजेंद्र सिंह का बताया जा रहा है। शुरूआती जांच में आग लगने की वजह बिजली का शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। घटना के समय मकान में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

कार्यालयः नगर पालिका परिषद खोड़ा–मकनपुर गाजियाबाद।
पत्रांक: 62 / न0पा0प0खो0 / ई–निविदा / 2026 दिनांक: 17 जनवरी 2026

ई प्रोक्योरमेन्ट / ई–टेण्डरिंग निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद खोड़ा–मकनपुर हेतु निकाय में विविध प्रकार के निर्माण कार्यो हेतु ई–निविदा की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिये गये नियम व शर्तों के अनुसार निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। निविदा अभिलेख एवं शर्तों वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक: 20.01.2026 की प्रातः 10:00 बजे से 10.02.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें। जहां से इन्हें डाउनलोड किया जा सकता है। सभी निविदादाता दिनांक: 10.02.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर ऑनलाइन अपनी निविदा दर/दरें डाल सकते है। टैण्डर एवं उससे सम्बन्धित शर्ते जिले की वेबसाइट www.ghaziabad.nic.in पर भी देखी जा सकती हैं।

E-Tender Reference	Ltr.No- 63/ न0पा0परि0खो0 / ई–निविदा / 2026 दिनांक: 17 जनवरी 2026
Publish and Time for RFP	20.01.2026 को प्रातः 10:00 बजे
Last Date and time for submission of E-Tender	10.02.2026 को मध्यान्ह 12:00 बजे
Date and time of Opening Tender	10.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे
Place of Opening of E-Tender	Office Nagar Palika Parishad Khora-Makanpur, Dist. Ghaziabad
E-Tender Document Processing	As per Tender list.

अवर अभियन्ता (डॉ शलेन्द्र कुमार सिंह) अधिशासी अधिकारी (मोहिनी शर्मा) अध्यक्ष

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 • नई दिल्ली। रविवार 18 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

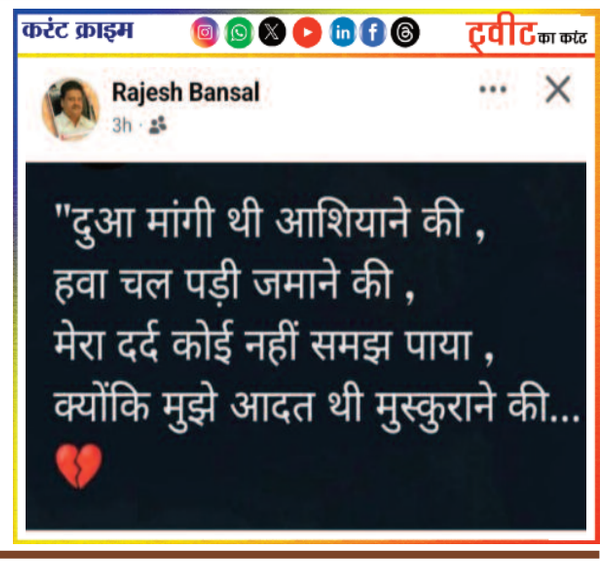

नगर निगम की मैच डिप्लोमैसी के इफैक्ट आयेंगे जीडीए और प्रशासन की टीम पर
बन रही है प्लानिंग तीनों विभाग खेलेंगे फ्रैंडली मैच वाली थीम पर

वैलेंटाइन मंथ की होगी शुरुआत क्रिकेट मैच से

करंट क्राइम। फरवरी का महीना वैलेंटाईन मंथ कहा जाता है। इसे मधु मास भी कहते हैं। मौसम खुशनुमा होता है और खुशनुमा मौसम में दोस्ताना मैच होगा। वैलेंटाईन मंथ के प्रथम सप्ताह यानी फरवरी महीने के प्रथम सप्ताह में ही क्रिकेट मैच के सौहार्द की शुरूआत होगी। दोस्ताना संबंधों का एक संदेश यहां क्रिकेट मैच से दिया जायेगा।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सर्दी के मौसम में बसंत के महीने में नगरनिगम के अधिकारी , कर्मचारी और पार्षद क्रिकेट मैच खेलेंगे। बोर्ड बैठक में भले ही मुददों को लेकर घमासान होता हो लेकिन बसंत के महीने में क्रिकेट का मैदान होगा, गेंद होगी बल्ला होगा और रनों की बरसात होगी। करंट क्राइम ने नगर निगम के संभावित मैच का पूरा प्लान प्रकाशित किया। और बताया था कि मैच को लेकर किस तरह से योजना तैयार होगी।

बताते हैं कि नगरायुक्त ने इस मैच के लिए अपनी स्वीकृति दे दी है और नगर निगम एकादश के कप्तान खुद नगरायुक्त होंगे। शनिवार को भी पार्षदों की टीम इस मैच को लेकर पूरा प्लान तैयार करने में जुटी रही। सबसे बड़ी बात ये है कि पार्षदों के खेमे में इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है। नगर निगम में 100 पार्षद हैं और इनमें अलग अलग दलों के पार्षद हैं लेकिन क्रिकेट के नाम पर एकता और सौहार्द वाला सीन दिखाई दे रहा है। पार्षद 11 के कप्तान प्रवीण चौधरी ने पहले ही इस बात पर जोर दिया थ कि मैच के माध्यम से हमें एकता और सौहार्द का संदेश देना है। प्रवीण चौधरी का ये संदेश दूर तक गया है।

बताते हैं कि मैच में 15 खिलाड़ियों के अलावा बाकी 85 पार्षद भी खुद को टीम में मानकर चल रहे है। उनका कहना है कि भले ही हम मैदान मे ना उतरें लेकिन हम खिलाड़ी पार्षदों का उत्साह वर्धन करने के लिए मैदान में मौजूद रहेंगे। वहीं नगर निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों में भी मैच को लेकरउत्साह है। युवा कर्मचारी टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं। कई अधिकारी भी फ्रेंडली मैच खेलने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में मैच रोचक हो रहा है। बताया जाता है कि इस आयोजन में दर्शकों से लेकर खिलाड़ियों तक नगर निगम तो रहेगा ही रहेगा, यहां पर जिला प्रशासन और जीडीए की भी एंट्री हो सकती है। इसके लिए प्रयास शुरू हो गये हैं ओर सूत्र बताते हैं कि मैच अब एक दिन का ना होकर एक सीरीज का हो सकता है और यहां जीडीए , नगर निगम और जिला प्रशासन में से कोई एक टीम विजेता बनेगी।

अगर खेली टीम तीन तो रहेगा तीन आईएएस खिलाड़ियों का सीन

करंट क्राइम। फ्रैंडली मैच को लेकर जब आईएएस नगरायुक्त विक्रमादित्य मलिक ने सहमति दी तो ये बात कमरे से बात आई और उत्साह बढ़ने लगा। शनिवार को पार्षदों ने अपने कप्तान प्रवीण चौधरी के नेतृत्व में मैच की हर चीज पर चर्चा की और यहीं पर ये भी तय हुआ कि मैच को लेकर जल्द ही जीडीए वीसी से भी बात की जायेगी। उनसे अनुरोध किया जायेगा और अगर वो तैयार होते हैं तो जीडीए की भी क्रिकेट टीम यहां मुकाबले में आयेगी। बताया जाता है कि यहां पर क्रिकेट का छुपा हुआ रूस्तम वाला कार्ड जिला प्रशासन से आयेगा। खुद जिलाधिकारी रविन्द्र मांदड़ क्रिकेट के उच्च स्तरीय खिलाड़ी हैं, शानदार बैटसमैन हैं और अगर जिला प्रशासन की टीम आ गयी तो ये मुकाबला बेहद रोचक हो जायेगा। यदि तीन टीमों का सीन बनेगा तो ये इसमें एक तथ्य रोचक रहेगा कि पहली बार तीन आईएएस अधिकारी फ्रैंडली मैच में अपनी टीम के साथ आयेंगे। खेलों के जरिये सौहार्द का संदेश पूरे जिले में जायेगा।

टेनिस की रहेगी बॉल और हर सिक्सर पर बजेगा ढोल

करंट क्राइम। नेहरू स्टेडियम में क्रिकेट मैच होगा। ये मैच बीस बीस ओवर का होगा। मैच भव्य हो और संदेश मजबूत जाये, इसकी तैयारी शुरू हो गयी है। बताते हैं कि ढाई सौ से ज्यादा दर्शक तो नगर निगम से होंगे। इसके अलावा अगर जीडीए औरप्रशासन की टीम आती है तो फिर मैदान की रोनक बढ़ जायेगी। मैच का आनंद सभी दर्शक ले सकें इसकी भी व्यवस्था की गयी है। खास बात ये है कि मैच में उत्साह वर्धन के लिए जहां दर्शक रहेंगे वहीं बाउन्ड्री रेखा के बाहर मैदान में ही ढोल की व्यवस्था रहेगी। हर चौके और छक्के पर ढोल बजेगा । इसी तहर जब कोई खिलाड़ी विकेट लेगा तो ढ़ोल के जरिये खुशी का इजहार होगा। खिलाड़ियों के लिए और टीम से जुड़े सभी सदस्यों के लिए चाय नाश्ते का भी इंतजाम होगा। सूत्र बता रहे हैं कि मैच के लिए बजट का भी इंतजाम हो गया है। खिलाड़ियों को टी शर्ट, लोवर और कैप भी दी जायेगी।

फ्रैंडली मैच के मौसम में कोई तो हो रहा है फ्लॉवर को लेकर हॉस्टाइल
जब योद्धा ने फोन किया, अधिकारी ने यश किया और खो गयी 15 लाख की फाइल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। फाईलों के खोने का मौसम गाजियाबाद में चल रहा है। विकास वाले महकमे में 50 साल पुरानी लैंड की फाईल खोने का बैंड बज रहा है। महकमे में हड़कम्प मचा है और लैंड वाली फाईल की तलाश हो रही है। अधिनस्त कह रहे हैं कि 50 साल पुरानी फाईल अब भला कहां मिलेगी। अफसरों का कहना है कि रिकॉर्ड तो रिकॉर्ड होता है , हम अगर अपनी पर आ गयी तो 500 साल पुरानी फाईल भी निकलवा लेंगे। प्रताप विहार वाली जमीन का मामला है और बताते हैं कि एक बड़े अफसर को अदालत ने अवमानना वाला संदेश भी भेज दिया है। फाईल खोने का सिलसिला जारी है और अब फाईल वाली कहानी विकास वालों क दफ्तर से निकल कर नाली और सीवर वालों के दफ्तर तक आ गयी है। बताने वाले बता रहे हैं कोई फाईल कहीं नहीं खोई-खाई है। ये तो बस आप मानकर चलो कि दो केसरियों के बीच की लड़ाई है। किस्सा सीवर वालों की बिल्डिंग में गूंज रहा है। सूत्र बताते हैं कि जनता के कुछ लोग भगवा योद्धा के पास पहुंचे। मामला 15 लाख के विकास से जुड़ा है और ये विकास गोविन्द जी वाले पुरम का बताया जाता है। सूत्र बताते हैं कि पुरम वाले लोग विकास कराने की गुहार लेकर भगवा दफ्तर में भगवा योद्धा के पासा पहुंचे। अब पब्लिक है और पब्लिक का अपना मूड होता है। आप पब्लिक को ये नहीं कह सकते कि तुम संगठन वालों के पास क्यों आ गये। तुम तो सांसद जी के पास जाओ, तुम तो विधायक जी के पास जाओ। पब्लिक का जिस पर फेथ होता है उनके लिए वहीं समस्या समाधान का फेस होता है। ऐमें में 15 लाख के विकास वाली बात को लेकर पब्लिक के लोग भगवा योद्धा के पास पहुंचे। भगवा योद्धा भी मूल कार्यकर्ता हैं और वो इतना जानते है कि अगर जनहित में कोई काम होगा तो जनता के बीच पार्टी के प्रति आस्था बढ़ेगी और सरकार के प्रति विश्वास बढ़ेगा। लिहाजा उन्होंने जैसे ही विकास वाला प्रस्ताव देखा और सुना तो उन्होंने सीवर वाले महकमे के सबसे बड़े साहब को फोन मिला दिया। बड़े साहब बड़े दिल के अधिकारी हैं और वो किसी भी काम में बाधा तो कभी बनते ही नहीं है। उन्होंने फोन भी उठाया और पूरा मामला भी सुना।

जब बात क्षेत्र के विकास की थी और फरीयाद जनता की थी तो साहब ने तुरंत मामले को ओके कर दिया। भगवा योद्धा के फोन पर बड़े साहब ने रेस्पोंस दिया और कह दिया कि इन लोगों को मेरे पास भेज दो, तत्काल काम होगा। अब यहां तक सीन में किसी को ये पता नहीं था कि विकास वाली निधि का फंड क्या है। वो तो जानते थे कि सरकार से पैसा आया है और सरकार हमारी है। इधर बड़े साहब ने तत्काल एक्शन लिया और फाईल ओके की और उस काम को होने के लिए फाईल आगे भेज दी। यहां तक किसी के चित्त में ये बात ही नहीं थी कि जिस निधि से काम होना है वो तो वित्त की निधि है। सूत्र बताते हैं कि वित्त की निधि किस विधि खर्च होगी, ये वाला रिमोट किसी और से हाथ में है। पब्लिक को क्या पता कि अंदर क्या चल रहा है। लिहाजा पब्लिक ने तो योद्धा के फोन को सुना और अधिकारी का लहजाभी देखा। मगर उन्हें क्या पता था कि जब ये फाईल वित्त देख रही शक्ति के पास पहुचेगी तो उनका चित्त इसी बात पर बिगड़ जायेगा कि भगवा योद्धा ने फोन क्यों किया। सूत्र बताते हैं कि जैसा सोचा गया था ठीक वैसा ही हो गया।

जैसे ही फाईल वहां पहुंची तो कहानी में रोचक मोड़ आ गया। जिस फाईल को साहब ने सलैक्ट किया था, उस फाईल को उधर वाली शक्ति ने ना तो रिजैक्ट किया और ना ही उस पर कोई रिएक्ट किया लेकिन काम वो कर दिया कि अब विकास ही मिसिंग वाली फाईल में आ गया है। 15 लाख की फाईल महकमे से गायब हो गयी है। फाईल की तलाश में कर्मचारी जुटे हैं। सीवर इंटरलॉकिंग वालों के महकमें में बड़े साहब के आदेश के बाद बड़ी वाली टेबल से बड़ी वाली फाईल लापता हो जाने का किस्सा गूंज रहा है।

कुछ तो है पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल की बर्थ डे वाली बधाई का राज
दिल्ली वाली मुलाकात के बाद अब यहां की सियासत में आ रहा ट्विस्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कोई मुलाकात बिना अर्थ नहीं होती और राजनीति में हर फोन के पीछे एक पॉलिटिकल टोन होती है। जन्मदिन की बधाई देना एक आम बात है और एक राजनीतिक शिष्टाचार है लेकिन जब जन्मदिन की बधाई का वीडियो बने और फोन पर हुई बातचीत वायरल हो तो ये माना जा सकता है कि कुछ तो सियासत चल रही है। कुछ तो संदेशहै जो दियाजा रहा है। पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल राजनीति के खिलाड़ी हैं। बेहद व्यवहार कुशल हैं और सबको साथ लेकर चलने की कला जानते हैं। वहीं राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप का मधुर व्यवहार उनकी राजनीति में सुप्रसिद्ध है। हमेशा अदबसे पेश आते हैं और राजनीति के इन दो मिलनसार मधुरभाषी चेहरों की बातचीत का टैलिफोनिक अंदाज जब वायरल हुआ तो चर्चा राजनीतिक क्षेत्र में बढ़ गयी है। राज्यमंत्री स्वतंत्रप्रभार नरेन्द्र कश्यप जन्मदिन के केक को अब जानसठ बाईपास रोड पर ले गये हैं । गोकुल सिटी में आवास भी हो गया है तो ये पूरा मामला अब खास भी हो गया है। वहीं कुछ दिन पहले पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने दिल्ली में भाजपा के उन चेहरों की मुलाकात कराई जो फिलहाल टयूनिंग की कमी से जूझ रहे हैं। इनमे वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रजपाल तेवतिया, निवर्तमान महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल

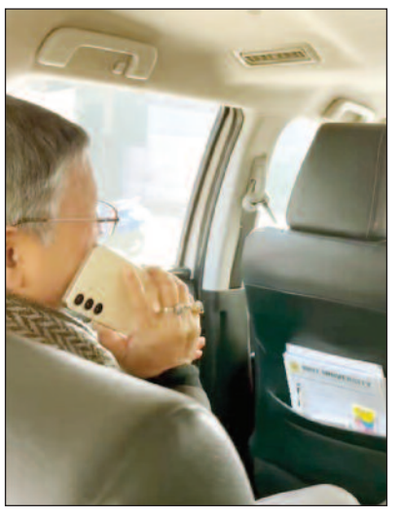

थे। और कई चेहरे थे और सार ये है कि इन वाले विधायक से लेकर उन वाले विधायक तक जो भी चेहरे थे वो दिल्ली वाली मुलाकात में ये संदेश दे गये कि एक नयी लॉबी का निर्माण होरहा है। मगर 15 जनवरी वाले बधाई संदेश ने तो इसमें एक और इजाफा किया है। भाजपा वाले ही कह रहे हैं कि जन्मदिन की बधाई एक शिष्टाचार है लेकिन जब ये बधाई दी जा रही हो तो चलती कार में फोन को स्पीकर ऑन वाले मोड पर रखना और फिर बातचीत के वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करना कुछ तो संदेश लिए हुए है। इस बधाई को केवल शिष्टचार वाली बधाई नहीं माना जा सकता। पूर्व सांसद बधाई देने के लिए प्रदेश सरकार के मंत्री के घर पहुंचे। मंत्री जी अपने गाजियाबाद वाले आवास से निकलकर गोकुल सिटी आवास मुज्फ्फरनगर के लिए प्रस्थान कर चुके थे। इसके बाद बधाई का वीडियो आया। पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवान ने बताया कि हम तो घर आये थे फिर उधर से भी बताया गया कि हम तो यहां के लिए चल दिए हैं। जन्मदिन की ये बधाई और बधाई का वायरल हुआ वीडियो पॉलिटिक्स का संदेश दे रहा है। अनिल अग्रवान ने पहले दिल्ली में मुलाकात कराई और यहां भी खास बात ये थी कि जो चेहरे मुलाकात करने गये थे उन्होंने ये बात नहीं बताई लेकिन राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने फेसबुक पर सभी फोटो साझा किये और एक बार फिर उन्होंने टैलिफोनिक बधाई का वीडियो वायरल किया है। वो जानते है कि राजनीति में संदेश कैसे दिये जाते हैं। वो शीर्ष नेतृत्व तक अपने पुराने संबंधों को बता चुके हैं ओर अब बधाई का ये वीडियो राजनीति हलकों में चर्चा बटोर रहा है।

मकर संक्रांति के पर्व पर राम वालों ने बनाया अधूरे सपने को पूरा करने का प्लान
सांसद अतुल गर्ग ने सौंपी प्रभु हनुमान जी की मूर्ति और भव्य रूप में दिखेंगे प्रभु हनुमान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर की सबसे पुरानी रामलीला कमेटी केवल शहर की नहीं बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी रामलीला कमेटी है। यहां का मैदान सिर्फ मैदान नहीं है बल्कि अपने आप में एक पूरा इतिहास समेटे है। इस मैदान ने उत्तर प्रदेश के कई मुख्यमंत्रियों को देखा है, प्रधानमंत्रियों को देखा है और शहर की संस्कृति को देखा है। यहां की रामलीला कमेटी सिर्फ एक समिति नहीं है बल्कि एक संस्कृति है। रामलीला कमेटी के पदाधिकारी शहर के सभ्रांत, गणमान्य, प्रतिष्ठित लोग हैं। ये इस कमेटी की खूबसूरती है कि इसके सभी सदस्य भी शहर के गणमान्य लोग हैं। एक ऐसी कमेटी जो अपनी परम्पराओं से जुड़कर चलती है और सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी ध्वज वाहक के रूप में कार्य करती है। ये वो रामलीला का मंच है जहां से सियासत कापैगाम जाता है, ये वो रामलीला है जहां दशानंद की नाभि में लगने वाला तीर सबसे बड़ा सियासी स्टेटस होता है। इस बात फिर कुछ नया होने जा रहा है और यहां पर इसकी पहल रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू ने की है। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल इस विषय पर सकारात्मक सोच और उत्साह के साथ आगे आये हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव मित्तल साजू ने सहमति दी है। महामंत्री नरेश प्रधान भी इस मुददे पर साथ हैं। दरसअल कई बरस से जो अधूरा ख्वाब था उसे अब पूरा किया जायेगा। रामलीला कमेटी के महामंत्री रहे स्वर्गीय वीनू बाबा का ये सपना थाकि मैदान मे प्रभु श्री हनुमान की एक भव्य मूर्ति स्थापित हो। इसके लिए उन्होंने प्रयास शुरू किये थे और मूर्ति का निर्माण भी शुरू कराया था लेकिन मूर्ति बीच में ही किन्ही कारणों से निर्मित होत होते रूक गयी। इस बार मकर संक्रांति पर्व पर जब लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने रामलीला कमेटी को प्रभु श्री हनुमान की चांदी की मूर्ति सौंपी तो उसी समय प्रभु श्री हनुमान की मूर्ति स्थापित करने का फैसला हुआ। ये सपना कभी स्वर्गीय वीनू बाबा ने देखा था। अब ये सपना पूरा होगा और जल्द ही यहां मूर्ति का निर्माण शुरू हो जायेगा। मकर संक्रांति पर्व पर प्रभु हनुमान की प्रतिमा को भव्य और आकृषक रूप में स्थापित करने का प्लान पूरा हो गया।

संकल्प के साथ राम भक्ति की थी वीनू बाबा ने

करंट क्राइम। स्वर्गीय वीनू बाबा आज भले ही दुनिया में नहीं है लेकिन उनकी राम भक्ति को याद किया जाता है। जिन सुल्लामल के नाम से ये रामलीला कमेटी है , वीनू बाबा उसी सुल्लामल परिवार के वंशज थे। आज भी इस परिवार से सुमित गर्ग और इशु गर्ग वीनू बाबा के पुत्र हैं। वीनू बाबा का ये सपना थाकि एक भव्य , विशाल प्रभु हनुमान जी की मूर्ति स्थापित हो जिससे लोगों के हदय में हनुमान भक्ति की आस्था बढ़े। वीनू बाबा एक ऐसे व्यक्तिव थे जिन्होंने वर्ष 1992 में ये संकल्प लिया था कि जब तक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं होगा वो अपने केश और डाढी नहीं कटायेंगे। वीनू बाबा अपने वचन पर अडिग रहे और जब राम मंदिर का रास्ता प्रसशत हुआ तब मानों की वो इसी घड़ी का इंतजार कर रहे थे। इसके बाद इधर राम मंदिर बना और उधर वीनू बाबा ने खुद को हमेशा के लिए प्रभु श्री राम के चरणों में अर्पित कर दिया। अब राम भक्त स्वर्गीय वीनू बाबा के इस अधूरे सपने को रामलीला कमेटी पूरा करेगी।

संस्कार, अनुशासन और श्रेष्ठ परिणाम : बालेश्वर त्यागी की विरासत को आगे बढ़ा रहा महर्षि दयानंद विद्यापीठ
बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए हुआ भव्य यज्ञ का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महर्षि दयानंद विद्यापीठ में संकल्प दिवस का आयोजन किया गया. ठीक एक माह बाद 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं सम्पन्न होने जा रही हैं। उन परीक्षाओं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए बच्चों को संकल्प कराया. इस अवसर पर यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें अध्यापक अध्यापिकाओ के साथ साथ बच्चों ने भी यज्ञ में आहुति समर्पित की। विद्यालय के निदेशक सचिन त्यागी ने सभी बच्चों को संकल्प दिलाया और शिक्षक शिक्षिकाओं ने बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा करके आशीष प्रदान किया। मेरे अतिरिक्त उपप्रधानाचार्य आनंद शर्मा ने भी बच्चों को संबोधित किया। विद्यालय की सीनियर विंग की प्रिंसिपल सीमा सेठी ने शुभकामनाएं देकर प्रेरित किया. ब्रजेश कुमार शास्त्री जी ने यज्ञ सम्पन्न कराया।

बालेश्वर त्यागी की परंपरा: अनुशासन, संस्कार और परिणाम : पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी द्वारा स्थापित अनुशासन और संस्कारों की मजबूत नींव पर चल रहा महर्षि दयानंद विद्यापीठ आज भी उसी सोच को आगे बढ़ा रहा है। यहां शिक्षा को केवल परीक्षा तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जाता है। यही कारण है कि विद्यालय का 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम हर वर्ष उत्कृष्ट रहता है और विद्यार्थी न केवल अंक में, बल्कि आचरण और लक्ष्य में भी आगे नजर आते हैं।

मैं सौंप रहा हुं आस्था और श्रद्धा से प्रभु श्री हनुमान जी की मूर्ति को : अतुल गर्ग

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग राष्ट्र भक्त भी हैं और संस्कृति के संवाहक भी हैं। वो संदेश देना जानते हैं। मकरं संक्रांति के पर्व पर उन्होंने प्रभु श्री हनुमान की वह मूर्ति रामलीला कमेटी को सौंपी जो उन्होंने स्वर्णकार संघ ने भेंट की थी। और यहां सांसद अतुल गर्ग ने प्रभु श्री हनुमान जी की मूर्ति को सौंपते हुए कहा कि जब मुझे ये मूर्ति सौंपी गयी तो यह मेरा उपहार था अब मैं इसे आस्था और श्रद्धा के साथ रामलीला कमेटी को दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री हनुमान परम राम भक्त हैं। ऐसे में राम के स्थान पर प्रभु श्री हनुमान की इस प्रतिमा का उचित स्थान है।

आस्था और श्रद्धा के साथ हम करेंगे इस स्वप्न को पूरा : सुधीर गोयल मोनू

करंट क्राइम। श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू ने कहा कि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने आस्था और श्रद्धा के भाव के साथ प्रभु श्री हनुमान जी की मूर्ति को हमें एक विरासत के रूप में सौंपा है। हम राम भक्त हैं और संस्कृति की रक्षा के लिए कृत संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि हम परम्परा का पालन करने वाली रामलीला के पदाधिकारी है। हम अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी को जानते हैं। श्री सुल्लामल परिवार के हमारे दिवंगत साथी ने जो सपना देखा था, उस सपने को पूरा करने के लिए हम काम करेंगे। यह प्रभु श्री राम का काम है , यह हमारे आराध्य प्रभु श्री हनुमान का काम है। हम तो केवल माध्यम हैं और काम तो प्रभु हनुमान स्वयं करायेंगे। उम्मीद करता हूं कि यहां एक भव्य प्रतिमा स्थापित होगी और एक तरह से यह रामभक्तों के लिए एक सौगात होगी। जिस आस्था के साथ रामलीला कमेटी ने इस विषय पर मंथन, चिंतन कर फैसला लिया है उससे लगता है कि अब प्रभु श्री हनुमान जी की प्रतिमा रामलीला मैदान में स्थापित करने का समय उन्हीं के आदेश से आ गया है।

संपादकीय

शहरी भारत

भारत की शहरी आवास संबंधी चुनौती केवल अपर्याप्त ऋण उपलब्धता या गृह–स्वामित्व योजनाओं से ही संबंधित नहीं है। हमारे शहर इस तरह की परिस्थितियां बनाने में विफल हो रहे हैं जहां किफायती घर बनाना आर्थिक रूप से व्यवहार्य हो। इसके परिणामस्वरूप परिवारों को अनौपचारिक बस्तियों में रहना पड़ता है, लंबी दूरी तय करनी पड़ती है और कर्ज का भारी बोझ उठाना पड़ता है। किफायती आवास पर नीति आयोग की नई रिपोर्ट इस संकट के कारण सामने रखती है। जमीन का महंगा होना, प्रतिबंधात्मक नियोजन मानदंड, किराया बाजार का कमजोर होना, नियामकीय देरी और राजकोषीय प्रोत्साहनों को वापस लिया जाना। इसके परिणामस्वरूप किफायती आवास, डेवलपर्स और फाइनैंस करने वाले दोनों के लिए भारी जोखिम और कम लाभ वाला प्रस्ताव बन गया है। पिछले दशक में आवासीय निजी इक्विटी में 8 फीसदी से भी कम निवेश आया है, जबकि इस क्षेत्र में विदेशी फंडों का योगदान केवल 10.2 फीसदी रहा है।

नाइट फ्रैंक और नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के हालिया आंकड़े समस्या की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। भारत के आठ प्रमुख शहरों में 50 लाख रुपये से कम कीमत वाले घरों के लिए आपूर्ति और मांग का अनुपात 2019 के 1.05 से घटकर 2025 की पहली छमाही में 0.36 हो गया। इस बीच, नई आपूर्ति में किफायती आवास का हिस्सा 2018 में 50 फीसदी से अधिक से गिरकर अब केवल 17 फीसदी रह गया है, जो बताता है कि रियल एस्टेट डेवलपर्स इस क्षेत्र से पीछे हट रहे हैं। शहरी किफायती आवास की कमी का अनुमान 94 लाख इकाइयों का है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न–आय वर्ग (एलआईजी) और मध्यम–आय वाले परिवारों की संयुक्त मांग वर्ष 2030 तक 3 करोड़ इकाइयों तक पहुंचने का अनुमान है।

नीति आयोग के प्रस्ताव किफायती आवास नीति में लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव के समान हैं। इसके केंद्र में आयकर अधिनियम की धारा 80–आईबीए को नए सिरे से जीवित करने का सुझाव है, जिसने 2016 से 2022 के बीच डेवलपर्स को स्वीकृत किफायती आवास परियोजनाओं से होने वाले लाभ पर पूर्ण कर छूट प्रदान की थी। इसे वापस लाने से परियोजना की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी और नीति की निश्चितता का एक स्तर बहाल होगा, जिसकी निजी डेवलपर्स को सख्त कमी महसूस हुई है।

रिपोर्ट में यह सिफारिश भी की गई है कि किफायती आवास रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) के लिए किराये की आय और पूंजीगत लाभ को कर से मुक्त किया जाए। यह कदम उस श्रेणी में संस्थागत पूंजी आकर्षित करने के उद्देश्य से है, जो लंबे समय से वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि नैशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) को कर–मुक्त बॉन्ड जारी करने की अनुमति दी जाए।

अब पीएफ क्लेम और ट्रांसफर और भी आसान

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़ी सेवाओं को सदस्यों तक और आसान तरीके से पहुंचाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत अब सुविधा सहायक या सुविधा प्रोवाइडर तैनात किए जाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि सदस्यों को जरूरी कामों के लिए बार बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

प्रस्ताव के अनुसार क्या होगी प्रक्रिया? : श्रम व रोजगार मंत्रालय के प्रस्ताव के अनुसार, ये सुविधा उपलब्ध कर्ता तय शुल्क पर सदस्यों को विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

इनमें अलग अलग पीएफ खातों को आपस में जोड़ना, खाते से रकम निकालने के लिए दावा प्रक्रिया पूरी करना और दस्तावेजों या डाटा से जुड़ी अन्य त्रुटियों को ठीक करना शामिल होगा।

इससे ईपीएफओ से जुड़ी प्रक्रियाएं ज्यादा सरल और तेज होने की उम्मीद है।

ईपीएफओ से जुड़ी अधिकांश सेवाओं में हुए बड़े बदलाव

मंत्रालय के मुताबिक, ईपीएफओ से जुड़ी अधिकांश सेवाओं में बड़े बदलाव किए जा चुके हैं।

पारंपरिक कागजी प्रक्रियाओं को खत्म कर अब लगभग पूरी व्यवस्था ऑनलाइन कर दी गई है, ताकि सदस्य बिना किसी झंझट के घर बैठे ईपीएफओ की सेवाओं का लाभ उठा सकें।

डिजिटल प्रक्रिया से न सिर्फ समय की बचत हो रही है, बल्कि शिकायतों और त्रुटियों में भी कमी आई है।

सुधारों के बावजूद क्या समस्याएं आ रही? : हालांकि तमाम सुधारों के बावजूद बड़ी संख्या में ईपीएफओ सदस्य सेवाओं का लाभ उठाने में अब भी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

कई मामलों में तकनीकी या दस्तावेजी त्रुटियों के कारण आवेदन अटक जाते हैं।

जबकि सही जानकारी के अभाव में कई सदस्य तय समय और सही प्रक्रिया के तहत आवेदन ही नहीं कर पाते हैं।

स्टार्टअप इंडिया: जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बन 10 वर्षों में भारत ने बदली तस्वीर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर जिस आत्मविश्वास के साथ युवाओं की जोखिम लेने की क्षमता की सराहना की, वह बदलते भारत की आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उनका यह कहना कि देश के लिए आवश्यक कामों में किसी न किसी को जोखिम उठाना ही होगा और यदि नुकसान भी हो तो वह व्यक्तिगत होगा जबकि लाभ देश का। दरअसल इसी दर्शन ने भारत के स्टार्टअप आंदोलन को नैतिक और वैचारिक आधार दिया है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारत का युवा वर्ग नौकरी खोजने वाला वर्ग माना गया लेकिन बीते एक दशक में यह सोच निर्णायक रूप से बदली है। आज भारत का युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बन रहा है।

इस परिवर्तन के केंद्र में मोदी सरकार की ह्यस्टार्टअप इंडियाह्न पहल ने वाकई निर्णायक भूमिका निभाई है, जिसे भारत के आर्थिक भविष्य की एक दूरदर्शी और रणनीतिक नींव के रूप में देखा जाना चाहिए। यही वह ह्यटर्निंग पॉइंटह्न है जहां से भारत की नई उद्यमशील पीढ़ी और नीतिगत समर्थन की कहानी आगे बढ़ी।

चुनौती को अवसर में बदला : दरअसल भारत आज उस निर्णायक जनसांख्यिकीय मोड़ पर खड़ा है, जहां उसकी लगभग दो-तिहाई आबादी कामकाजी आयु वर्ग में है। यही युवा शक्ति भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि यह ऊर्जा नवाचार, उद्यमिता और उत्पादन में रूपांतरित होती है तो भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की क्षमता रखता है लेकिन यदि इसे सही मंच और समर्थन न मिले तो यही असंतोष और बेरोजगारी का कारण बन सकती है। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के लिए 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया मिशन की शुरूआत की गई। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट था- नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को संस्थागत समर्थन देना और युवाओं को एक ऐसा नीति-आधारित इकोसिस्टम उपलब्ध कराना, जहां जोखिम उठाना कमजोरी नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बने।

छोटे शहरों में युवा कर रहे कमाल : स्टार्टअप इंडिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही।

लंबी उम्र नहीं, स्वस्थ जिंदगी

विश्व में न्यूट्रास्यूटिकल्स का उभरता हुआ साम्राज्य

नई दिल्ली। स्वस्थ और संतुलित जीवन जाने की चाहत से दुनियाभर में पूरक खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है। भारत में इस सेक्टर को न्यूट्रास्यूटिकल्स इंडस्ट्री कहा जाता है, जबकि अमेरिका जैसे देशों में डायटरी सप्लीमेंट्स या फूड सप्लीमेंट्स के नाम से जाना जाता है। इन उत्पादों का वैश्विक बाजार 350 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें औसतन 6 फीसदी की वार्षिक चक्रवृद्धि दर देखी गई है। इस सेक्टर में 25-30 फीसदी हिस्सेदारी सिर्फ अमेरिका की है। भारत ने भी 2035 तक न्यूट्रास्यूटिकल्स का 100 अरब डॉलर का बाजार विकसित करने का लक्ष्य रखा है।

सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स : डायटरी सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स दोनों स्वास्थ्यवर्धक पूरक खाद्य उत्पाद हैं। इनमें एकल या मल्टी-विटामिन, खनिज तत्व, जड़ी-बूटियां, प्रोटीन, अमीनो एसिड, ओमेगा-3, प्रोबायोटिक्स, प्रीबायोटिक्स और को-एंजाइम क्यू10 शामिल हैं। ये रोगों के इलाज का दावा नहीं करते, बल्कि सामान्य स्वास्थ्य को सहारा देने के लिए जाने जाते हैं।

भारत में नेट एफडीआई घटा, गिरकर एक अरब डॉलर पहुंचा?

केयरएज की रिपोर्ट में उठे कई गंभीर सवाल

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच भारत में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (ऋछक्र) प्रवाह 70 से 85 अरब डॉलर के दायरे में बना रहा, लेकिन इस अवधि में वृद्धि लगभग ठहरी रही। केयरएज रेटिंग्स के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान सकल एफडीआई में सालाना औसत वृद्धि दर (उअॠफ) करीब 2 प्रतिशत रही। हालांकि, ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसी अवधि में भारत में नेट एफडीआई में तेज गिरावट दर्ज की गई है।

एफडीआई प्रवाह में चार वर्षों में आई बड़ी गिरावट : केयरएज के अनुसार, नेट एफडीआई प्रवाह वित्त वर्ष 2020 में 44 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2025 में घटकर महज 1 अरब डॉलर रह गया। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भले ही सकल एफडीआई में सुधार दिखा हो, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा मुनाफे की ज्यादा वापसी और भारत से बाहर एफडीआई प्रवाह बढ़ने के कारण नेट एफडीआई पर भारी दबाव पड़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023 और 2024 में सकल एफडीआई लगभग 71 अरब डॉलर पर स्थिर रहा था, जो वित्त वर्ष 2025 में 13 प्रतिशत बढ़कर 81 अरब डॉलर पहुंच गया।

इसके बावजूद, मुनाफे की वापसी और आउटवर्ड एफडीआई में तेज बढ़ोतरी के चलते नेट एफडीआई वित्त वर्ष 2024 में घटकर 10 अरब डॉलर और वित्त वर्ष 2025 में सिर्फ 1 अरब डॉलर रह गया।

हालांकि, केयरएज ने यह भी रेखांकित किया कि भारत में इनवर्ड एफडीआई पर औसत रिटर्न 7.3 प्रतिशत बना हुआ है, जो कई उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर है। रिपोर्ट के अनुसार, किसी विदेशी कंपनी का मुनाफा दोबारा निवेश करना या उसे वापस ले जाना उसकी रणनीतिक प्राथमिकताओं और पूंजी आवंटन नीति को दर्शाता है।

भारत-यूएस व्यापार समझौते में दाल क्यों बनी मुद्दा?

नई दिल्ली। अमेरिका के रिपब्लिकन पार्टी के दो सीनेटरों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारत के साथ किसी भी संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते में दालों के लिए अनुकूल प्रावधान सुनिश्चित करने की अपील की है। यह मांग ऐसे समय सामने आई है, जब भारत-अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब भी ठोस नतीजे से दूर है।

यह घटनाक्रम भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हालिया फोन बातचीत के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है। दोनों नेताओं के बीच बातचीत में व्यापार, रक्षा और सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई थी।

पत्र में सीनेटरों ने क्या-क्या मांग की? : सीनेटर केविन क्रेमर और स्टीव डेंस ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि जैसे-जैसे भारत के साथ व्यापार वार्ताएं आगे बढ़ें, अमेरिकी कृषि उत्पादकों खासकर नॉर्थ डकोटा और मोंटाना के किसानों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इन दोनों राज्यों को अमेरिका में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक बताया गया है, जिनमें मटर भी शामिल हैं।

भारत को लेकर क्या कहा गया? : पत्र में सीनेटरों ने उल्लेख किया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उपभोक्ता है और वैश्विक खपत में उसकी हिस्सेदारी करीब 27 प्रतिशत है।

रोचक तथ्यों का करंट

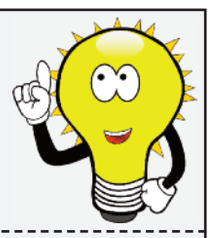

- कभी–कभी इंद्रधनुष रात को भी निकलते हैं। ये मूनबो के नाम से जाने जाते हैं और इनका रंग एकदम सफेद होता है।
- अगर उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों पर स्थित पूरी बर्फ पिघल जाए तो सभी महासागरों का जल–स्तर 180 फीट बढ़ जाएगा।
- अमरीका में न्यू हैम्पशायर स्थित पहाड़ ह्य माउंट वाशिंगटन के ऊपर साल में 100 से अधिक दिनों तक तूफानी हवाएं चलती हैं।
- 1556 में आए भूकंपों के दौरान चीन में 830000 लोग मरे।
- वैसे तो बर्फ के पहाड़ आईसबर्ग खारे समुद्रों में तैरते हैं परंतु इनमें से अधिकांश ताजे (मीठे) पानी के बने होते हैं।
- बारिश की बूँदों का आकार आंसू की बूँदों जैसा नहीं होता। वे देखने में पकौडी या आटे की लोई जैसी लगती हैं।
- नर और मादा हाथी कभी–कभी अपनी सूंडों को फंसा कर चलते हैं मानो एक–दूसरे का हाथ पकड़ कर चल रहे हों।
- गोरिल्ले पानी से इतना डरते हैं कि वे उसे पीते तक नहीं। उनकी पानी की सारी जरूरत फल और पौधे खाने से पूरी हो जाती है।

राशिफल

मेष: जीवन में चली आ रही स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज्यादा खुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है।

वृष: आज दिन बेहतर रहेगा, मानसिक तनाव महसूस होगा और कुछ खर्चे भी बढ़ेंगे। इनकम में कमी देखी जा सकेगी, जिसकी वजह से काफी दबाव महसूस करेंगे।

मिथुन: आज दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

कर्क: इंटरव्यू देने जाएं तो दिमाग ठण्डा रखें। जल्द ही शुभ समाचार की प्राप्ति होने लगेगी। अपनी काबिलियत के बदौलत सब कुछ करने का प्रयास कर सकते हैं।

सिंह: आज का दिन किसी यात्रा पर जाने का संकेत दे रहा है। यात्रा अच्छी रहेगी। आपके भाई बहनों को भी सुख मिलेगा और उनसे आपके संबंध बेहतर बनेंगे।

कन्या: दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। अचानक नए स्रोतों से धन लाभ आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा।

तुला: पार्टनर से संबंध अच्छे होंगे। किसी से तभी दोस्ती करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और भली–भांति समझ लें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी रहेगा।

वृश्चिक: आपके लिए दिन मिलाजुला असर लेकर आएगा। दिन की शुरूआत अच्छी आमदनी से होगी। वहीं दिन चढ़ने के साथ–साथ खर्चे बढ़ जाएंगे।

धनु: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा।

मकर: आज आपका सबसे बड़ा सपना हकीकत में बदल सकता है। छोटी दूरी की सुखद यात्रा हो सकती है। पत्नी से संतुष्टि तथा सुखद स्थिति का निर्माण होगा।

कुंभ: आपके लिए आज का दिन सुकून भरा रहेगा। जो मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान थे उनकी समस्या दूर होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन: दिन अच्छा रहेगा। लक्ष्य निर्धारित करने के लिए आप कोई नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल हो सकते हैं।

चुटकुले

गोलू – मां सारे खिलौने बेड के नीचे छिपा दो...
गोलू की मां – क्यों?
गोलू– क्योंकि मेरा दोस्त डब्बू आ रहा है..
गोलू की मां – डब्बू खिलौने चुरा लेगा क्या?
गोलू– नहीं, वह अपने खिलौने पहचान लेगा।

पोलियो टीम घर आई...
चीकू– बंदूक और कारतूस कहां हैं?
सुनकर टीम भाग गई...
पीछे से टीटू ने आवाज दी,
रुको, रुको
ये हमारे बच्चों के नाम हैं।

टीटू बिजली की दुकान पर गया और दुकानदार से बोला– एक काला बल्ब देना।
दुकानदार– भाई साहब, काले बल्ब का क्या करोगे?
टीटू– यार, दोपहर को अंधेरा करके सोना है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

ऑस्ट्रेलियन ओपन कल से; जोकोविच की निगाह 25 वें ग्रैंडस्लैम पर, अल्काराज-सिनर से मिलेगी टक्कर

मेलबर्न। दस बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच सोमवार को रॉड लेवर एरिना में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे।

नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं।

जोकोविच ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व संध्या पर कहा, '2025 में मैंने सिनर या अल्काराज के खिलाफ खेले गए चार ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया।'

उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं।'

फिट रहना चाहते हैं जोकोविच

जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं।

जोकोविच ने 2023 में जीता था पिछला खिताब: यह 38 वर्षीय खिलाड़ी खुद को मुकाबले में बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

शुरूआती दो मुकाबलों में विकेट को तरसे रवींद्र जडेजा

स्टार ऑलराउंडर के फॉर्म पर क्या बोले सिराज

इंदौर। मोहम्मद सिराज ने रवींद्र जडेजा के फॉर्म पर चिंता करने से इनकार कर दिया है। उनका मानना है कि अनुभवी ऑलराउंडर को फॉर्म में लौटने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। इंदौर में खेले जाने वाले निर्णायक और तीसरे वनडे से पहले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का जोरदार समर्थन किया है। शुरूआती दो मुकाबलों में जडेजा विकेट लेने में नाकाम रहे हैं, लेकिन सिराज का मानना है कि जडेजा को अपनी लय में लौटने के लिए बस एक विकेट की जरूरत है।

शुरूआती दो मुकाबलों में जडेजा को नहीं मिला कोई विकेट

जडेजा इस सीरीज के पहले दो वनडे में क्रमशः 0/44 और 0/56 के आंकड़े के साथ विकेट नहीं ले सके। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट ही ले पाए थे। हालांकि, सिराज ने जडेजा के फॉर्म को लेकर किसी भी तरह की चिंता से इनकार किया।

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिराज ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि जडेजा के फॉर्म को लेकर कोई चिंता की बात है। यह बस एक विकेट का खेल है। जैसे ही उन्हें एक सफलता मिलेगी, आप उन्हें बिल्कुल अलग गेंदबाज के रूप में देखेंगे।'

भले ही हालिया प्रदर्शन फीका रहा हो, लेकिन वनडे क्रिकेट में जडेजा का रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 209 मैचों में करीब 2900 रन बनाए हैं और 232 विकेट भी चटकाए हैं, जो उनकी अहमियत को दर्शाता है।

टीम के प्रदर्शन पर क्या बोले सिराज: दूसरे वनडे में गेंदबाजों पर दबाव के बावजूद सिराज ने टीम के प्रदर्शन को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने दोनों मैचों में अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने आगे कहा, 'पहले वनडे में हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों शानदार रही। दूसरे मैच में शुरूआती विकेट गिरने के बाद भी केएल राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और नीतीश रेड्डी ने भी योगदान दिया।'

मिचेल की मैच जिताऊ पारी पर भी की बात: डेरिल मिचेल की मैच जिताऊ पारी पर बात करते हुए सिराज ने कहा कि भारत के पास मौके थे, लेकिन अहम समय पर कैच छूट गए। उन्होंने कहा, 'अगर वह कैच पकड़ लिया जाता तो नतीजा कुछ और हो सकता था।

वर्ल्ड क्लास बल्लेबाज ज्यादा मौके नहीं देते और जब देते हैं तो उसका पूरा फायदा उठाते हैं।'

मिचेल के भारत के खिलाफ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर सिराज ने कहा कि गेंदबाजों के पास स्पष्ट योजनाएं थीं, लेकिन क्रियान्वयन में कमी रह गई। उन्होंने आगे कहा, 'हमने उन्हें आउट करने की पूरी कोशिश की, खासकर मिडिल ओवर्स में। लेकिन वही एक मौका अहम था, जो हाथ से निकल गया।'

टीम में कैसा है माहौल?

टीम माहौल को लेकर सिराज ने भरोसा जताया और कहा कि ड्रेसिंग रूम का वातावरण काफी सकारात्मक है। उन्होंने कहा, 'टीम में सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मार्गदर्शन है। जीत-हार चलती रहती है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट से पहले माहौल बहुत अच्छा है।'

इंदौर के होल्कर स्टेडियम में अर्शदीप सिंह के साथ नई गेंद संभालने के सवाल पर सिराज ने कहा कि वह अर्शदीप पर पूरा भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, 'अर्शदीप ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी की है। भूमिका तय करना कप्तान और कोच का काम है, लेकिन अगर सामने से विकेट मिल रहे हों तो मेरा काम दबाव बनाए रखना है।'

बांग्लादेश के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी की तूफानी फिफ्टी

विराट कोहली को भी एक मामले में पीछे छोड़ दिया

बुलवायो। अंडर-19 विश्व कप में भारत का बांग्लादेश से मुकाबला जारी है। बुलवायो में खेले जा रहे इस मुकाबले में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी अर्धशतक जड़ा। 53 रन पर तीन विकेट गंवा देने वाली टीम इंडिया को उन्होंने संभाला। वैभव ने 30 गेंद पर अर्धशतक जड़ा। साथ ही विराट कोहली को भी एक मामले में पीछे छोड़ दिया। वैभव 67 गेंद में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 72 रन बनाकर आउट हुए।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत को 10 ओवर के अंदर तीन बड़े झटके लगे। कप्तान आयुष म्हात्रे छह रन बनाकर आउट हुए। वहीं, वेदांत त्रिवेदी खाता नहीं खोल सके। अल फहाद ने पारी के तीसरे ओवर में लगातार दो गेंदों पर इन दोनों को आउट किया। इसके बाद विहान मल्होत्रा को अजीजुल हकीम ने स्लिप में कैच कराया। वह सात रन बना सके।

वैभव ने कोहली को किस मामले में पीछे छोड़ा

दरअसल, कोहली ने भारत के लिए अंडर-19 वनडे क्रिकेट में 28 मैचों में 46.57 की औसत से 978 रन बनाए थे। इनमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे। कोहली अंडर-19 वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले सातवें स्थान पर थे और अब आठवें स्थान पर हैं। वैभव को अमेरिका के खिलाफ कोहली के 978 रनों के रिकॉर्ड को पार करने के लिए सिर्फ छह रन चाहिए थे, लेकिन वह दो रन बनाकर आउट हो गए थे।

अंडर-19 वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	मैच	रन	औसत	शतक	अर्धशतक
विजय जोल	36	1404	42.54	4	7
यशस्वी जायसवाल	27	1386	69.3	3	12
तनमय श्रीवास्तव	34	1316	48.74	2	11
उन्मुक्त चंद	21	1149	67.58	5	4
शुभमन गिल	16	1149	104.45	4	6
सरफराज खान	33	1080	51.42	1	11
वैभव सूर्यवंशी	20*	1047	52.35	3	5
विराट कोहली	28	978	46.57	3	6
गौरव धीमान	24	837	49.23	3	3
अंकुश हरवडकर	30	801	27.62	0	5

ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें चार रन की जरूरत थी, जो उन्होंने आराम से कर दिया। साथ ही साथ ही वह अंडर-19 वनडे में हजार रन भी पूरे कर लिए। वैभव के नाम 20 अंडर-19 वनडे मैचों में अभी 1047 से ज्यादा रन दर्ज हैं। बांग्लादेश के खिलाफ वह क्रीज पर मौजूद हैं, ऐसे में रन और बढ़ेंगे। वैभव का औसत 52 से ज्यादा का रहा है। उन्होंने तीन शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं।

वैभव लिस्ट में अंडर-19 वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में कोहली से ठीक ऊपर सातवें स्थान पर हैं। अंडर-19 वनडे क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विजय जोल के नाम है। विजय जोल ने 36 मैचों में 42.54 की औसत से 1404 रन बनाए। इनमें चार शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वैभव के पास सरफराज खान से भी ऊपर जाने का मौका है। सरफराज के नाम अंडर-19 वनडे में 33 मैचों में 1080 रन हैं।

IPL से लेकर युथ क्रिकेट तक चमकता करियर

वैभव भले ही अमेरिका के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप के पहले मैच में असफल रहे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने जबरदस्त वापसी की। उनका रिकॉर्ड इस उम्र में किसी स्टार से कम नहीं है। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में तूफानी शतक बनाना, पुरुष लिस्ट-ए क्रिकेट में 59 गेंदों पर 150 की सबसे तेज पारी, और भारत के लिए युवाओं में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर (171 रन, 95 गेंद), ये सब उनके करियर को खास बनाते हैं। यही नहीं, एशिया कप राइजिंग स्टार्स टी20 में यूएई के खिलाफ उनकी 42 गेंदों में 144 रन की पारी ने उन्हें चर्चा में ला दिया था।

कोच बोले, 'मैच्योरिटी और कॉन्फिडेंस बढ़ा है'

पटना के क्रिकेट अकादमी से जुड़े कोच मनीष ओझा, जिन्होंने 10 साल की उम्र से वैभव को तराशा है, कहते हैं कि बल्लेबाज का गेम तेजी से विकसित हुआ है। कोच के शब्दों में, 'मैंने उनके गेम सेंस में बदलाव देखा है। पहले वैभव आक्रामक थे, लेकिन अब आक्रामकता में समझ जुड़ गई है। आईपीएल 2025 के बाद उनका आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है। वे अच्छे गेंदों को भी छक्के में बदल सकते हैं और अगर जरूरत हो तो रुककर खेलने का भी हुनर रखते हैं।' ओझा ने आगे कहा, 'उनकी परिपक्वता बढ़ी है, शॉट चयन में सुधार आया है और वे अब गेंद की प्रकृति के हिसाब से फैसला करते हैं। उनके छक्के अब और बड़े दिखते हैं।'

ब्लिचफेल्ट का फिर फूटा गुस्सा

नई दिल्ली। मिया ब्लिचफेल्ट ने भारत ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं और हालात को लेकर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन अगस्त में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इससे पहले

यह टूर्नामेंट केडी जाधव इंडोर हॉल में होता था। ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट के पहले दिन ही अस्वस्थ परिस्थितियों की आलोचना की थी। दूसरे दौर में बाहर होने के बाद भारत से लौटते समय उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'भारत में बीते कुछ दिन बहुत मुश्किल रहे, मेरी उम्मीद से भी ज्यादा। मैंने मानसिक रूप से खुद को सबसे बुरे हालात के लिए तैयार किया था, लेकिन जो परिस्थितियां हमें मिलीं, वे बिल्कुल अस्वीकार्य और बेहद गैर-पेशेवर हैं।'

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली।

डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और विश्व नंबर 20 मिया ब्लिचफेल्ट ने भारत ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं और हालात को लेकर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों को अस्वीकार्य और बेहद गैर-पेशेवर बताते हुए कहा कि ऐसे हालात में यहाँ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन होना बहुत मुश्किल नजर आता है।

ब्लिचफेल्ट ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

भारत ओपन पहली बार नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन अगस्त में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इससे पहले यह टूर्नामेंट केडी जाधव इंडोर हॉल में होता था। ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट के पहले दिन ही अस्वस्थ परिस्थितियों की आलोचना की थी। दूसरे दौर में बाहर होने के बाद भारत से लौटते समय उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'भारत में बीते कुछ दिन बहुत मुश्किल रहे, मेरी उम्मीद से भी ज्यादा। मैंने मानसिक रूप से खुद को सबसे बुरे हालात के लिए तैयार किया था, लेकिन जो परिस्थितियां हमें मिलीं, वे बिल्कुल अस्वीकार्य और बेहद गैर-पेशेवर हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ी यहां प्रदर्शन करने और अपनी तैयारी पर ध्यान देने आते हैं, लेकिन मौजूदा हालात में केवल खेल पर फोकस करना बेहद कठिन हो जाता है। ब्लिचफेल्ट ने कहा, 'एक वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में हर कोई तनाव और निराशा महसूस कर रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना

बंगलूरू। सौराष्ट्र ने 2007/08 सत्र में यानी विजय हजारे ट्रॉफी के पहले सत्र में ही खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद इस टीम ने 2022/23 में खिताब जीता था। वहीं, विदर्भ पहली बार खिताब जीतना चाहेगी।

बिना किसी स्टार खिलाड़ी के बावजूद अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सौराष्ट्र और विदर्भ के बीच रविवार को बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के मैदान पर होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि दोनों टीम कागजों पर एक समान नजर आती हैं। सौराष्ट्र अपना तीसरा, जबकि विदर्भ पहला खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगे। दोनों टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उनकी टीम मजबूत टीमों को हराने में सफल रही।

सौराष्ट्र के कप्तान हार्विक देसाई 561 रन के साथ टीम के शीर्ष रन स्कोरर हैं। उन्हें विश्वराज जडेजा का अच्छा साथ मिला है जिन्होंने पंजाब के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। दूसरी ओर विदर्भ की बल्लेबाजी को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले अमन मोखाडे (781 रन) और ध्रुव शोरे (515 रन) ने मजबूती दी है। मोखाडे पारंपरिक सलामी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कर्नाटक के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने जिस तरह धैर्य से शतक जड़ा उससे उनके कौशल का पता चलता है। रविकुमार समर्थ ने भी मध्य क्रम में कुछ उपयोगी योगदान देकर अपनी अहमियत साबित की है और उन्होंने अब तक कुल 427 रन बनाए हैं।

बल्लेबाजी के लिहाज से इन दोनों टीमों में कोई खास अंतर नहीं है और गेंदबाजी की कहानी भी कुछ इसी तरह की है।

विदर्भ ने इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी विभाग में नचिकेत भूटे (15) और यश ठाकुर (15) पर अब तक जो भरोसा दिखाया है उस पर वह पूरी तरह से खरे उतरे हैं और फाइनल में भी इस तेज गेंदबाजी जोड़ी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। दर्शन नालकंडे (12) भी विदर्भ को तेज गेंदबाजी विकल्प प्रदान करते हैं।

जडेजा को लेकर कैफ के बयान पर सोशल मीडिया पर मचा घमासान

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने रवींद्र जडेजा के खराब फॉर्म को लेकर चयनकर्ताओं पर सवाल उठाए और अक्षर पटेल को बेहतर वनडे विकल्प बताया। उन्होंने अक्षर की हिटिंग क्षमता, पावरप्ले बॉलिंग और हालिया प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि टीम ने गलत कॉम्बिनेशन चुना है।

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में भारतीय टीम की प्लेइंग स्ट्रैटेजी पर फिर सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा विवाद छिड़ा है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान कमेंटेटर मोहम्मद कैफ के बयान से, जिन्होंने सिलेक्टर्स पर अक्षर पटेल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। कैफ ने अक्षर को रवींद्र जडेजा से बेहतर विकल्प बताते हुए कहा कि चयनकर्ताओं ने गलत प्राथमिकता तय की है।

कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अक्षर पटेल अक्तूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से वनडे टीम से गायब हैं। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड दोनों सीरीज में मौका नहीं मिला। वहीं

जडेजा लगातार टीम में बने हुए हैं, जबकि उनका प्रदर्शन कमजोर रहा है।

कैफ ने कहा, 'अगर आपको दोनों में से एक चुनना है तो अक्षर वनडे में जडेजा से कहीं आगे हैं। उनकी स्ट्राइक रेट, छक्के मारने की क्षमता, जडेजा के पास ये नहीं है। हमने आईपीएल में भी देखा है। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बैटिंग के लिहाज से अक्षर आगे हैं। बॉलिंग में भी आगे हैं। अक्षर पावरप्ले में गेंदबाजी कर सकते हैं।'

कैफ ने सवाल उठाया कि न्यूजीलैंड स्पिन के खिलाफ संघर्ष करता है, फिर भी अक्षर को बाहर और नीतीश रेड्डी को अंदर क्यों रखा गया? उनका बयान था, 'मुझे नहीं पता कि वो टीम में क्यों नहीं हैं। न्यूजीलैंड स्पिन के खिलाफ कमजोर है, और फिर भी आप रेड्डी को बैक कर रहे हैं, जबकि पहले से ही चार तेज गेंदबाज मौजूद हैं।'

कैफ ने आगे प्लेइंग कॉम्बिनेशन सुझाते हुए कहा, 'मैं चाहता हूं कि जडेजा और अक्षर दोनों खेलें। अगर पिछले मैच में रेड्डी की जगह अक्षर होते तो टीम में ज्यादा बैलेंस रहता। जडेजा और अक्षर दोनों लेफ्ट-आर्म स्पिनर जरूर हैं, लेकिन उनका रोल अलग है। जडेजा पावरप्ले के बाद आते हैं, अक्षर नई गेंद से विकेट निकालते हैं।'

क्या नीतीश रेड्डी को फिर मौका देगा भारत, निर्णायक मैच में गेंदबाजी क्रम में बदलाव संभव

भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत एकादश में बदलाव करता है या नहीं।

इंदौर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और निर्णायक मैच काफी अहम होगा। भारत का वनडे में इंदौर में अब तक रिकॉर्ड शत प्रतिशत रहा है और यहां खेले सभी सात वनडे मैचों में टीम को जीत मिली है। भारत की कोशिश रहेगी कि वह सीरीज अपने नाम करे।

रोहित को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

इस सीरीज में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले रोहित शर्मा पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। शीर्ष क्रम पर उनका बेहद आक्रामक रवैया हालिया वनडे मैचों में भारत की रणनीति का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन बार-बार जल्दी आउट होने से उन पर थोड़ा दबाव बढ़ गया है। दूसरी ओर विराट कोहली भारत की वनडे बल्लेबाजी का मुख्य आधार बने हुए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के लिए 50 ओवर का अगला टूर्नामेंट संभवतः जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान होगा और ऐसे में प्रशंसक एक बार फिर कोहली और रोहित से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

नीतीश या बदोनी किसे मिलेगा मौका?

यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन नीतीश कुमार रेड्डी और आयुष बदोनी में से किस को अंतिम एकादश में रखता है।

ऑलराउंडर रेड्डी तेज गेंदबाजी करते हैं लेकिन गेंदबाजी में उनका इस्तेमाल कम ही किया जाता है।

नीतीश दूसरे मैच में वाशिंगटन सुंदर की जगह खेले थे, लेकिन बल्लेबाजी और गेंदबाजों दोनों में प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे।

बदोनी मध्यक्रम के अच्छे बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं और यहां की परिस्थितियां उनके लिए अनुकूल हो सकती हैं। अगर बदोनी को मौका मिलता है तो वह डेब्यू करेंगे। हालांकि, टीम प्रबंधन नीतीश को एक और मौका दे सकता है।

प्रसिद्ध को बाहर बैठा सकता है भारत

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने से भारतीय आक्रमण को मजबूती मिल सकती है। यहां के मैदान पर सफलता अक्सर तेज गति के बजाय विविधताओं पर निर्भर करती है। अर्शदीप की नई गेंद को स्विंग कराने, विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने और डेथ ओवरों में यॉर्कर डालने की क्षमता भारत को रणनीतिक बढ़त दिलाएगी। उनके टीम में शामिल होने से स्पिनरों पर बोझ भी कम होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह टीम में किसकी जगह लेंगे। मोहम्मद सिराज की नई गेंद से गेंदबाजी करने की क्षमता को देखते हुए उन्हें टीम से बाहर रखना मुश्किल है। परिस्थितियों और बल्लेबाजी की गहराई को ध्यान में रखते हुए उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में लिया जा सकता है।

बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना नहीं

नीतीश रेड्डी को छोड़ दें तो इस बात की संभावना कम ही है कि भारत इस मैच के लिए बल्लेबाजी क्रम में किसी तरह का बदलाव करेगा। केएल राहुल की भूमिका एक ऐसा पहलू है जहां पहले से ही स्पष्टता नजर आती है। नंबर पांच पर उनके अच्छे प्रदर्शन से इस बात का पता चलता है कि उन्हें इसी नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारना सही होगा। वह इस नंबर पर दबाव में भी सूत्रधार की अच्छी भूमिका निभा सकते हैं।

शाहीन-रिजवान और बाबर के लिए बुरे सपने जैसी रही ऑस्ट्रेलियाई लीग

सिडनी। शाहीन, रिजवान और बाबर के लिए बिग बैश लीग का यह सीजन उम्मीदों से उलट साबित हुआ। एक को खराब गेंदबाजी पर बीच ओवर से हटाया गया, दूसरे को धीमी बल्लेबाजी पर रिटायर्ड आउट किया गया और तीसरे को रनिंग और स्ट्राइक रेट पर विवाद झेलना पड़ा।

सोशल मीडिया मीम्स, क्रिकेट विश्लेषण और फैंस की प्रतिक्रियाओं ने इसे पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अनचाहा अनुभव बना दिया।

ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए चुनौती और अवसर दोनों लाती है, लेकिन पाकिस्तान के तीन बड़े सितारों, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम के लिए बिग बैश लीग का हालिया सीजन कुछ ऐसा रहा जिसे वे शायद जल्द ही भूल जाना चाहेंगे।

नगर निगम कर्मचारियों को मिलेगा अपना आशियाना

नगर आयुक्त के सामने रखी गईं 11 सूत्रीय मांगें, हाई राइज बिल्डिंग निर्माण का ऐलान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने नगर आयुक्त के समक्ष कर्मचारियों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को रखते हुए 11 सूत्रीय मांग पत्र पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कर्मचारी हितों के साथ-साथ निगम की कार्यक्षमता बढ़ाने से जुड़े प्रस्तावों पर भी गंभीर मंथन हुआ। नगर आयुक्त ने अधिकांश मांगों पर सहमति जताते हुए संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए।

हाई राइज बिल्डिंग से दूर होगी कर्मचारियों की आवासीय परेशानी

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मांग पत्र के तीसरे बिंदु पर विशेष जोर देते हुए निगम कर्मचारियों के लिए निगम भूमि पर हाई राइज बिल्डिंग निर्माण की योजना की घोषणा की। गांधीनगर, मधुबन बापूधाम और राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्रों में उपलब्ध निगम भूमि पर अपर नगर आयुक्त से लेकर स्थायी अ-केंद्रीय कर्मचारियों और केंद्रीय सेवा के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए हाई राइज अपार्टमेंट व भवन निर्माण पर चर्चा की गई। प्रस्तावित योजना के तहत 345 कर्मचारियों और 84 अधिकारियों के लिए आवास निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

कर्मचारी संघ ने जताया आभार

नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अनुराग नागर ने कर्मचारियों की आवासीय समस्या के समाधान की दिशा में ठोस पहल को लेकर नगर आयुक्त का आभार व्यक्त किया। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, डॉ. अनुज (प्रभारी उद्यान) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। संघ की ओर से उपाध्यक्ष मयूर गिरधर, संगठन मंत्री आकाश शर्मा, उप मंत्री भीम सिंह, अरविंद त्यागी और प्रदीप राठी भी मौजूद रहे।

कैशलेस इलाज से लेकर विजयनगर जोन कार्यालय तक उठे मुद्दे

बैठक में कैशलेस चिकित्सा सुविधा, विभागीय पदोन्नति, भवनों की मरम्मत, सभी जोनों में नए फर्नीचर और वाटर कूलर, रिकॉर्ड रूम की स्थापना, मुख्यालय में सेंट्रलाइज्ड एसी, कर्मचारियों के आईडी कार्ड, विजयनगर जोनल कार्यालय को शीघ्र प्रारंभ करने और मालियों के लिए सेवा केंद्र की स्थापना जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। नगर आयुक्त ने विजयनगर जोनल कार्यालय जल्द शुरू करने और जोनों में आवश्यकता अनुसार फर्नीचर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इंटरनेशनल चैंपियनशिप में प्रथम आने वाले सुधीर चौधरी हुए सम्मानित

मोदीनगर, करंट क्राइम। थाईलैंड ओपन मास्टर गेम्स 2026 की इंटरनेशनल चैंपियनशिप में प्रथम स्थान (गोल्ड मेडल) जैवलिन थ्रो प्राप्त करने पर खिलाड़ी को क्षेत्रीय विधायक न सम्मानित किया।

विधानसभा क्षेत्र के गांव फफराना निवासी सुधीर चौधरी ने गतदिनों थाईलैंड ओपन मास्टर गेम्स-2026 की इंटरनेशनल चैंपियनशिप में प्रथम स्थान (गोल्ड मेडल) जैवलिन थ्रो में प्राप्त किया। इस अवसर पर उनके निवास स्थान पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में हिस्सा लेने पंहुची क्षेत्रीय विधायक डॉ0 मंजू शिवाच ने उन्हें सम्मानित किया और आवाहन किया कि क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति रूझान बढ़ाना चाहियें, युवाओं को खेलों के प्रति हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया।

भूमाफिया से पीड़ित ने सूबे के बजीरे आजम व आला अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार

- 19 लाख रूपए हड़पने के चक्कर में जबरन फ्लैट खाली करने का दबाब बना रहे भूमाफिया

लोनी, करंट क्राइम। दबंग भूमाफियाओं से प्रताड़ित पीड़ित ने पुलिस प्रशासन को अपनी आप बीती सुनाई लेकिन पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने दबंग भूमाफिया महिला व उसके साथियों के विरुध कोई कार्रवाई नही की। पीड़ित ने परेशान होकर न्यायालय की शरण ली और सीआरपीसी 156 के तहत अपना वाद दायर किया न्यायालय ने पुलिस को सही तथ्यों की जांच कर आख्या देने का आदेश दिया। लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस ने जांच न्यायालय को नही भेजी आखिर क्यों? विजय कुमार ने सूबे के बजीरे आजम योगी आदित्यनाथ व आला अधिकारियों से प्रार्थना पत्र देकर दबंग भूमाफिया महिला व उसका साथी मनोज व अन्य के विरुध कानूनी कार्रवाई कर न्याय की गुहार लगाई है।

नेशनल पब्लिक स्कूल में बाल मेला, बच्चों के चेहरे पर बिखरी खुशियां

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नेशनल पब्लिक स्कूल राजेंद्रनगर में आयोजित 'बाल मेला' ने बच्चों और अभिभावकों को एक साथ लाकर खुशियों का समा बांध दिया। इस मेले में अभिभावकों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारा।

मेले में खान-पान, खेल और मनोरंजन के स्टॉल्स लगाए गए थे, जिन्हें देखकर बच्चों के चेहरे पर खुशी की चमक आ गई। सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठे हुए और मनोरंजन और हर्ष के वातावरण में मेला का आयोजन सफल रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष शांतनु शर्मा, उपाध्यक्ष प्रियांशु शर्मा, प्रधानाचार्या रीना शर्मा, उपप्रधानाचार्या बबीता शर्मा और सभी अध्यापकगण व अभिभावक गण उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या रीना शर्मा ने कहा कि बाल मेला का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारना था।

इस मेले ने बच्चों को एक नई दिशा देने का काम किया और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

अलीपुर बांध के भीतर एनजीटी नियमों की खुलेआम अवहेलना

- मसूदाबाद बांमला में अवैध मिट्टी खनन से बदला भूगोल, प्रशासनिक चुप्पी सवालों के घेरे में

लोनी, करंट क्राइम। लोनी क्षेत्र में अवैध खनन अब किसी गुप्त गतिविधि का विषय नहीं रहा, बल्कि यह खुलेआम कानून, पर्यावरण और जनसुरक्षा को चुनौती देता दिखाई दे रहा है। यमुना नदी के खादर क्षेत्र में स्थित अलीपुर बांध के अंदर, जहां राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के नियमों के अनुसार खनन पूर्णत: प्रतिबंधित है, वहां भारी पोकलेन मशीनों और बड़े-बड़े डंपरों से बालू का अवैध खनन बेरोकटोक जारी है। बीते दिनों बांध में हुए रिसाव के कारण रामपुर, खानपुर, नवादा, मीरपुर पचरा, ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र और बदरपुर जैसे इलाके जलमग्न हो चुके हैं। यह घटना चेतावनी थी, लेकिन इसके बावजूद खनन जारी रहना इस ओर इशारा करता है कि सबक लेने के बजाय आंखें मूंद ली गईं। लोनी में अवैध खनन अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह कानून, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जवाबदेही का प्रश्न बन चुका है। यदि अब भी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो परिणाम यमुना, बांध, वन्यजीव और आम नागरिक—सभी के लिए घातक हो सकते हैं।

तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

मोदीनगर (करंट क्राइम)। तहसील में संपूर्ण तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अपर आयुक्त मेरठ व एडीएम (ई) ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। संपूर्ण समाधान दिवस पर पहुंचे अपर आयुक्त अंबरीश कुमार बिद ने लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान भाकियू नेताओं ने भी अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौपा। साथ ही अनेक विभागों से संबन्धित शिकायतें भी मिली। दोनों अधिकारियों ने संबन्धित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर फरियादियों की शिकायतों व समस्याओं के निस्तारण के आदेश दियें। साथ ही अधिकारियों के संपूर्ण समाधान दिवस में अधिक से अधिक संख्या में पंहुचे व शिकायतों को प्रमुखता से निस्तारण किये जाने की हिदायत दी। समाधान दिवस पर कुल 106 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 2 शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण कराया दिया गया। इस मौके पर एडीएम (ई) ज्योति मौर्य, एसडीएम अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार रंजत कुमार, एसीपी व अनेक विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जीएसटी के नवीन कार्यालय में कामकाज प्रारंभ

मोदीनगर, करंट क्राइम। जीएसटी का नवीन कार्यालय आखिरकार तमाम जद्दोजहद के बाद प्रारंभ हो गया है। इस शुरूआती अवसर पर राज्यकर अधिवक्ताओं ने जीएसटी अधिकारी को बुके देकर स्वागत किया।

बताते चले कि राज्यकर अर्थात जीएसटी कार्यालय जो कि लगभग 16 माह पूर्व गाजियाबाद स्थित राज्य कर भवन में स्थानांतरित हो गया, लेकिन राज्यकर अधिवक्ता अरूण राघव के अनेकों बार पत्राचार व विधायक डॉ0 मंजू शिवाच सहित अनेक जनप्रतिनियों की सजगता के चलते हापुड़ रोड़ पर पुनः प्रारंभ हो गया है। शुक्रवार को कार्यालय पंहुचे सीनियर व जूनियर अधिकारियों की मौजूदगी में सुचारू रूप से कार्यालय का विधिवत कार्य प्रारंभ हो चुका है।

इस अवसर पर पंहुचे वरिष्ठ राज्यकर अधिवक्ता अरूण राघव सहित अनेक अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुये जीएसटी अधिकारियों को बुके देकर सम्मानित किया। इस कार्यालय के प्रारंभ होने से यंहा जंहा राज्यकर अधिवक्ताओं को राहत मिली, वही व्यापारियों को भी अब गाजियाबाद कार्यालय जाने की आवश्यकता नही, अधिकतर कार्य यही निपटा लिये जायेंगे। व्यापारियों व अधिवक्ताओं ने अधिकारियों को बधाई दी और प्रसन्नता जाहिर की है।

अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा की मंडल समीक्षा बैठक संपन्न, संगठन विस्तार की रणनीति तैयार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा उत्तर प्रदेश की मेरठ मंडल समीक्षा बैठक वाल्मीकि पार्क सभागार जनपद गाजियाबाद में आहूत की गई।

सभा में मुख्य अतिथि प्रदीप चौहान प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा विशिष्ट अतिथि अमित तिसावड प्रदेश महामंत्री महासभा रहे। संचालन महानगर अध्यक्ष शक्ति जिनवाल द्वारा किया गया।

समीक्षा बैठक में संगठन विस्तार मेरठ मंडल के सभी जिलों में संगठन की कार्यकारिणी गठन आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर हापुड़ बुलंदशहर मेरठ बागपत गाजियाबाद के सम्मानित अध्यक्ष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'संस्कृति उत्सव-2026' में बिखरे लोक कला के रंग

कलाकारों की प्रतिभा देख भाव-विभोर हुए मंत्री नरेंद्र कश्यप

गाजियबाद, करंट क्राइम। जिला प्रशासन एवं जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित संस्कृति उत्सव-2026 हिन्दी भवन लोहिया नगर के सभागार में 17 जनवरी को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नरेंद्र कश्यप माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने मंत्रीजी का स्वागत सम्मान प्रतीक एवं पौधा भेंट करके किया। स्वागत संबोधन करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि हमारे परंपरागत विधाओं को जीवित रखने हेतु संस्कृति उत्सव एक सशक्त माध्यम है सर्वप्रथम ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ, तत्पश्चात गाजियाबाद की तीनों तहसीलों क्रमशः तहसील सदर, लोनी एवं मोदीनगर में संस्कृति उत्सव भव्यता से मनाया गया वहां के विजेता कलाकार आज जनपद स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। गायन वादन और नृत्य विधाओं में लोक संस्कृति, सुगम संगीत, शास्त्रीय एवं उप शास्त्रीय संगीत को समावेशित करते हुए कलाकार मंडल स्तरीय प्रतियोगिता/संस्कृति उत्सव में प्रतिभाग करेंगे।

सभी विधाओं की प्रस्तुतियां देखकर मुख्य अतिथि भाव विभोर हो गए उन्होंने अपने संबोधन में सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की बधाई दी। श्री नरेंद्र कश्यप जी ने कहा कि कलाकारों का स्तर देखकर हम आश्वस्त है कि 24 जनवरी को होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस पर जनपद गाजियाबाद भव्य आयोजन करेगा।

जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि हार जीत से ऊपर उठकर हमें निरंतर लक्ष्य प्राप्ति के लिए आगे बढ़ते रहना चाहिए। इस अवसर पर से विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार पांडे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश यादव, परियोजना निदेशक प्रदीप कुमार पांडे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में माध्यमिक शिक्षा विभाग से जूनियर हाई स्कूल कुशलिया की प्रधानाचार्य, बेसिक शिक्षा विभाग की एसआरजी पूनम शर्मा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। तीनों तहसीलों की नोडल प्रधानाचार्य रुचि शर्मा, निधि शर्मा एवं अनुराधा गॉड ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम संपन्न कराया। संयोजन में आलोक कुमार की विशेष भूमिका रही।

निर्णायक मंडल में डॉक्टर ज्योति शर्मा, दामिनी भार्गव, डॉक्टर महेश व्हाइट, डॉक्टर मुक्त वार्ष्णेय, दामिनी गुप्ता, कुमारी हेमलता रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पूनम शर्मा द्वारा किया गया।

सोनू कश्यप हत्याकाण्ड में हत्यारों को मिले सख्त सजा : कश्यप समाज

मोदीनगर, करंट क्राइम। मुजफ्फरनगर निवासी सोनू कश्यप हत्याकाण्ड में हत्यारों को सख्त सजा दिलाए जाने व पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व 50 लाख की मुआवजे की मांग को लेकर कश्यप समाज के लोगों ने महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम मोदीनगर को सौपा।

बताते चले कि सोनू कश्यप निवासी मुजफ्फरनगर की 5 जनवरी को गांव ज्वालागढ सरधना जिला मेरठ में पेड़ से बांध जलाकर हत्या कर दी गई थी। लगभग दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक न तो मुख्य आरोपी गिरफ्त में आए हैं न ही कोई कार्यवाही आरोपियों के खिलाफ की गई। जिसे कश्यप समाज के लोगों में काफी रोष है। इसी को लेकर शनिवार को गुस्सायें अनेक लोग एकजुट होकर तहसील पहुचे और पुलिस प्रशासन के विरूद्ध नारेबाजी करते हुये उन्होंने महामहीम को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौपा।

प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन में आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने, मृतक के परिवार में से एक सदस्य को सरकार नौकरी के साथ ही 50 लाख रुपएं के मुआवजे की मांग की है। प्रदर्शनकारियों में समाजवादी पार्टी विधानसभाध्यक्ष देव्रधामा, कश्यप वंशज समाज महासचिव पंकज माहेश्वरी कश्यप, मनजीत नेहरा, फारूख पतला, लोकेश कश्यप, राजेश जाटव, दीपक कश्यप, रवि कश्यप, बोबी कश्यप, पूर्व सभासद प्रदीप कश्यप पूर्व सभासद सचिन भारद्वाज, अभिषेक ठाकुर सहित सैंकड़ो सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाजियाबाद की खोड़ा कालोनी में ट्रांसफार्मर फटने से 5 लोग झुलसे, घटना का वीडियो वायरल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में शुक्रवार को एक हादसे में कई लोग जख्मी हो गए। राजीव विहार में एक ट्रांसफार्मर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि ट्रांसफार्मर के अंदर भरा उबलता हुआ तेल छिटककर वहां से गुजर रहे लोगों पर जा गिरा। गर्म तेल गिरने से कई लोगों के कपडों में आग लग गई। लोगों ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। पूरी घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक आग की लपटों के बीच तेजी से भागता नजर आता है।

इस घटना में पांच लोग बुरी तरह झुलस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि तेल गिरने के बाद एक लडका चीखते हुए सड़क पर दौड़ता रहा। लोगों ने उसके शरीर पर लगी आग को बुझाया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को ट्रांसफार्मर से दूर हटाया। लोगों का कहना है कि धमाका इतना तेज था कि ऐसा लगा जैसे कोई बम फट गया हो। सूचना देने के बाद भी विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे। हादसे में कमलेश चौधरी, अभिनव, अजीत, अनिल और कमल झुलसे हैं।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने निगम मुख्यालय के पार्षद कक्ष में पार्षद हिमांशु चौधरी, पार्षद अजीत निगम तथा पूर्व पार्षद मनोज गोयल को संयुक्त रूप से जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर पार्षद हिमांशु शर्मा, पार्षद नीरज गोयल, सुभाष चौधरी, पार्षद विनय चौधरी ने भी बधाई और शुभकामनाएं दी। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

ईरान में विरोध शांत, इंटरनेट बंदी अब भी जारी

मौलवी ने की फांसी देने की मांग, ट्रंप को दी धमकी

तेहरान। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद अब सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है, लेकिन सत्ता के गलियारों में गुस्सा और सख्ती बरकरार है। शुक्रवार को एक वरिष्ठ कट्टरपंथी मौलवी ने न सिर्फ गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की मांग की, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी खुली धमकी दी।

एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर के अंत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन, जो पहले महंगाई और आर्थिक हालात को लेकर थे, धीरे-धीरे ईरान की धार्मिक सत्ता के खिलाफ खुली चुनौती में बदल गए। सरकार की कड़ी कार्रवाई के बाद अब तेहरान समेत देश के कई हिस्सों में जनजीवन सामान्य दिख रहा है, हालांकि इंटरनेट बंदी अब भी जारी है।

अब तक 3090 लोगों की मौत

अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि कार्रवाई में अब तक कम से कम 3,090 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा ईरान में दशकों में हुए किसी भी आंदोलन से कहीं ज्यादा बताया जा रहा है। हालांकि ईरानी सरकार ने अब तक आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या जारी नहीं की है।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों के बाद हालात शांत हैं, लेकिन एक कट्टर मौलवी ने प्रदर्शनकारियों को फांसी देने और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकी दी है। वहीं मानवाधिकार संगठन मृतकों की संख्या 3,090 बता रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम करने की कोशिशें भी तेज हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल दोनों नेताओं से बातचीत की है। वहीं, कई खाड़ी देशों ने अमेरिका को चेताया है कि ईरान में सैन्य हस्तक्षेप से वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान हो सकता है।

उधर, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने आंदोलन जारी रखने की अपील की है और खुद ईरान लौटने का दावा किया है। हालांकि देश के भीतर उन्हें व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा।

कट्टर मौलवी ने की सजा की चेतावनी

इस बीच, शुक्रवार की नमाज के दौरान कट्टर मौलवी आयतुल्लाह अहमद खातमी ने भड़काऊ भाषण दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को इस्राइल और अमेरिका का एजेंट बताया और कहा कि हथियार उठाने वालों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी कड़ी सजा की चेतावनी दी। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने वॉशिंगटन में बयान देते हुए कहा कि ईरान ने सैकड़ों लोगों को फांसी न देकर सही कदम उठाया है। उन्होंने इसके लिए ईरानी नेतृत्व का आभार भी जताया, जिससे संकेत मिला कि अमेरिका फिलहाल सैन्य कार्रवाई से पीछे हट सकता है।

क्या तेहरान की राजनीति में कोई नया अध्याय लिखा जाना बाकी है

नई दिल्ली। प्रशिक्षित पायलट हैं, रूमी के प्रशंसक हैं, ईरान के इतिहास, संस्कृति और दर्शन पर तीन किताबें लिख चुके हैं, अहिंसा के पैरोकार और ईरानी राजशाही की पुरुष-प्रधान परंपरा को तोड़ते हुए अपनी बेटियों को उत्तराधिकारी घोषित कर चुके रेजा पहलवी के लिए क्या ईरान की राजनीति में कोई नया अध्याय अभी लिखा जाना बाकी है?

ईरान में एक दौर वह भी था, जब सत्ता महलों की ऊंची दीवारों के पीछे सांस लेती थी और सम्राट ही पूरे मुल्क की तकदीर का फैसला करता था। शाह मोहम्मद रेजा पहलवी भी उस वक्त दुनिया के सबसे रसूखदार शासकों में शुमार थे, जो ईरान पर शासन कर रहे थे। मगर उनके जीवन में एक खालीपन भी था। उन्हें अपनी विरासत सौंपने के लिए एक बेटे की दरकार थी। उन्होंने तीन शादियां कीं, पर बदकिस्मती से शुरूआती दोनों बीवियां उन्हें वारिस न दे सकीं। वक्त अपनी रफ्तार से बढ़ता रहा और फिर आई 31 अक्तूबर, 1960 की मध्य रात्रि। शाह मोहम्मद की तीसरी बीवी फराह दीबा ने तेहरान के एक अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। उस दिन पूरे ईरान में जश्न का सैलाब उमड़ पड़ा। अस्पताल से लेकर शाही महल तक लोग झूम रहे थे, क्योंकि देश को उसका 'युवराज' और शाह मोहम्मद को उनका वारिस मिल चुका था।

हालांकि, उनके जन्म के सत्रह वर्षों बाद ही इस्लामी क्रांति ने ईरानी सत्ता की तस्वीर बदल दी। सड़कों पर क्रांति की ऐसी आग भड़की कि शाही खानदान को रातों-रात अपना देश छोड़ना पड़ा। रेजा ने दूर टेक्सास में बैठकर देखा कि कैसे उनके पिता का विशाल साम्राज्य ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। वह फिर कभी अपने देश नहीं आ सके। लेकिन करीब चार दशकों बाद ईरान के भीतर उठ रहे विरोध के सुरों के बीच उनका नाम एक बार फिर सुर्खियों में है।

संगीत, फुटबाल और लेखन में रुचि: रेजा पहलवी पढ़ने-लिखने और फुटबाल व टेनिस खेलने के शौकीन हैं। स्कूली शिक्षा के दौरान वह स्कूल की फुटबाल टीम के कप्तान भी थे। वह कारों, फोटोग्राफी और शास्त्रीय संगीत में भी काफी दिलचस्पी रखते हैं। इसके अलावा, रेजा ईरानी, मध्य पूर्वी और यूरोपीय व्यंजनों को बनाना पसंद करते हैं। उन्हें तैराकी और घुड़सवारी का भी शौक है। वह ईरानी संस्कृति, इतिहास, दर्शन और लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी रुचि रखते हैं। रेजा पारसी कवि रूमी के प्रबल प्रशंसक हैं और अपने भाषणों में उनकी पंक्तियां अक्सर उद्धृत करते हैं।

एसडीएफ के पीछे हटने के बाद सीरियाई सेना बढ़ी आगे

दमिश्क। सीरियाई सेना ने दीर हाफेर शहर और जर्राह एयरबेस पर कब्जा कर लिया है। कुर्द लड़ाकों (एडीएफ) ने अमेरिकी हस्तक्षेप और राष्ट्रपति अल-शारा के कुर्द अधिकारों को मान्यता देने के बाद शहर खाली कर दिया। दोनों पक्षों में फिलहाल टकराव टल गया है।

सीरिया के उत्तरी क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। शनिवार सुबह सीरियाई सरकारी सेनाएं उत्तरी शहर दीर हाफेर के बाहरी इलाकों में दाखिल हो गईं। यह कदम कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें उन्होंने संघर्ष टालने के लिए इलाके को खाली करने की घोषणा की थी।

पीछे हटी एसडीएफ

यह घटना इस महीने की शुरूआत में अलेप्पो में सरकारी सैनिकों और अमेरिका समर्थित एसडीएफ के बीच हुई खूनी झड़पों के बाद हुई है। यह

झड़प सरकारी सेनाओं द्वारा कब्जे में लिए गए तीन इलाकों से कुर्द लड़ाकों के हटने के साथ खत्म हुई। शनिवार को बुलडोजर ने रास्तों की रुकावटें हटाईं, जिसके बाद सरकारी टैंक और बख्तरबंद गाड़ियां दीर हाफेर की ओर बढ़ीं। शहर के किनारे एसडीएफ का कोई भी लड़ाका मौजूद नहीं था।

11,000 से ज्यादा लोगों ने छोड़ा घर

सीरियाई सेना ने बताया कि अब दीर हाफेर और पास के जर्राह एयरबेस पर उसका पूरा नियंत्रण है। सैनिक वहां से बारूदी सुरंगें हटा रहे हैं और अब वे मस्काना शहर की ओर बढ़ेंगे। सरकार ने जब हमले की चेतावनी दी थी, तो डर के कारण पिछले दो दिनों में 11,000 से ज्यादा लोग दीर हाफेर और मस्काना छोड़कर भाग गए।

अमेरिका ने की शांति बनाए रखने की अपील: इसके बाद शुक्रवार रात को, जब सरकारी सेनाओं ने दीर हाफेर में एसडीएफ के ठिकानों पर बमबारी शुरू की, तो एसडीएफ कमांडर मजलूम अब्दी ने कहा कि उनके लड़ाके यूफ्रेट्स नदी के पूर्व की ओर चले जाएंगे। तनाव कम करने के लिए अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने शुक्रवार को इलाके का दौरा किया था। अमेरिका ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की थी।

नए कानून की अहम भूमिका

एसडीएफ का दीर हाफेर से पीछे हटने का फैसला सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने शुक्रवार को एक फरमान जारी करने के बाद लिया। इसमें देश के कुर्द लोगों के अधिकारों को बढ़ाया गया था। 2011 में संघर्ष शुरू होने से पहले सीरिया की 23 मिलियन आबादी में से लगभग दस प्रतिशत कुर्द थे।

नए कानून में क्या?

पिछले कुछ दशकों में, सीरिया के कुर्द लोगों को हाशिए पर धकेल दिया गया था और बाथ पार्टी के शासन के तहत उनके सांस्कृतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया था। इसने दिसंबर 2024 में बशर असद के गिरने तक छह दशकों तक सीरिया पर शासन किया था।

अमेरिका में भारतीय नागरिक को ढाई साल की जेल की सजा

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने भारतीय नागरिक को ढाई साल जेल की सजा सुनाई है। आरोप है कि भारतीय नागरिक ने उन हवाई उपकरणों को अवैध रूप से रूस भेजने की साजिश रची, जिनके लिए लाइसेंस लेना जरूरी है।

हवाई उपकरण अवैध रूप से रूस भेजने का आरोप

अमेरिका में एक 58 वर्षीय भारतीय नागरिक को ढाई साल जेल की सजा सुनाई गई है। भारतीय नागरिक पर आरोप है कि उसने नियंत्रित हवाई उपकरण अवैध रूप से रूस भेजने की साजिश रची। इस हफ़्ते की शुरूआत में सुनाए गए फैसले में, ओरेगन डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी अटॉर्नी स्कॉट ब्रैडफोर्ड ने कहा कि आरोपी संजय कौशिक ने जानबूझकर और मुनाफे के लिए ये साजिश रची। आरोपी संजय कौशिक दिल्ली का निवासी है।

क्या हैं भारतीय नागरिक पर आरोप: अटॉर्नी ने कहा, 'यह एक सोची-समझी साजिश के तहत बनाई गई योजना थी जिसमें विदेशी साजिशकर्ताओं के साथ तालमेल शामिल था।

रूस की प्रतिबंधित कंपनियां भी इस साजिश में शामिल थीं। आरोपी ने कई बार अपने निजी फायदे के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों को कमजोर करने की कोशिश की।'

आरोपी ने एक्सपोर्ट कंट्रोल रिफॉर्म एक्ट का उल्लंघन किया, जिसके लिए उसे फेडरल जेल में 30 महीने और 36 महीने की सुपरवाइज्ड रिहाई की सजा सुनाई। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन आइजनबर्ग ने इस मामले पर कहा, 'जो लोग अमेरिकी एक्सपोर्ट कंट्रोल कानूनों को चकमा देने की योजना बनाते हैं, खासकर जब इसमें मिलिट्री इस्तेमाल वाली टेक्नोलॉजी शामिल होती है - तो उन पर कानून के तहत पूरी सख़्ती से कार्रवाई की जाएगी।'

कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, सितंबर 2023 की शुरूआत में, कौशिक ने रूस में कंपनियों के लिए अमेरिका से गैर-कानूनी तरीके से एयरोस्पेस सामान और टेक्नोलॉजी हासिल करने की साजिश रची। कौशिक और उनके साथियों ने ओरेगन स्थित एक सप्लायर से एक एटीट्यूड एंड हेडिंग रेफरेंस सिस्टम (अलफ़र) खरीदा, जो विमानों के लिए नेविगेशन और फ़्लाइट कंट्रोल डेटा देता है।

अलफ़र जैसे कंपोनेंट्स को रूस सहित कुछ देशों में एक्सपोर्ट करने के लिए वाणिज्य विभाग से लाइसेंस की जरूरत होती है। न्याय विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उपकरण इस बहाने खरीदा गया था कि वे कौशिक और उनकी भारतीय कंपनी के लिए थे, जबकि असल में वे रूस के एंड यूजर्स के लिए थे।

ट्रंप ने वेनेजुएला से की डील, यूएस खरीदेगा 5 करोड़ बैरल तेल; पैसे भी अमेरिकी खाते में होंगे जमा

वॉशिंगटन। ट्रंप ने कहा, 'हम अपनी बहुत बड़ी अमेरिकी तेल कंपनियों को भेजेंगे, वे अरबों डॉलर खर्च करेंगी, बुरी तरह से क्षतिग्रस्त तेल बुनियादी ढांचे की मरम्मत करेंगी और देश के लिए पैसा कमाना शुरू करेंगी।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वेनेजुएला ने वॉशिंगटन को 52 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का 50 मिलियन बैरल तेल देने की पेशकश की है। उन्होंने इस सौदे पर सहमति जताई है।

सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड जे. ट्रंप बुलेवार्ड रखे जाने के मौके पर उन्होंने कहा, 'हम नई राष्ट्रपति से बातचीत रहे हैं। हम उन लोगों से बातचीत कर रहे हैं जो देश चला रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास 5 करोड़ बैरल तेल है, और हमें इसे तुरंत संसाधित करना होगा क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे?' मैंने कहा, 'हम इसे लेंगे। यह

5.2 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला के साथ बताए महान रिश्ते: ट्रंप ने अमेरिकी सैन्य अभियान में पूर्व वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद गठित वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ महान रिश्तों की भी तारीफ की। इससे काफी हद तक दबाव कम हो गया है।'

पहले ही सामने आ गई थी डील की खबर: मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वॉशिंगटन इस दौरान वेनेजुएला का संचालन करेगा और उसे तेल और देश की अन्य चीजों तक पूरी पहुंच की जरूरत है। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित समाचार आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने वेनेजुएला से 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का पहला तेल खरीदा है।

गाजा का पुनर्निर्माण करने वाले बोर्ड में टोनी ब्लेयर भी शामिल

गाजा। इस्राइल के साथ युद्ध में बर्बाद हुए गाजा को फिर से बसाने और इस पर प्रशासन के लिए ट्रंप ने एक बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है। इस बोर्ड में ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर को भी शामिल किया गया है। साथ ही जेरेड कुशनर, मार्को रुबियो जैसे बड़े नाम भी इसमें शामिल हैं। जानिए क्या है ये बोर्ड ऑफ पीस और कैसे काम करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में संघर्ष विराम के लिए 20 बिंदुओं वाला एक प्रस्ताव पेश किया था। अब उस प्रस्ताव को लागू करने के लिए ट्रंप ने 'बोर्ड ऑफ पीस' में ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर और अपने दामाद जेरेड कुशनर को शामिल किया है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बताया कि टोनी ब्लेयर बोर्ड के संस्थापक सदस्यों में से एक होंगे। अन्य संस्थापक सदस्यों में जेरेड कुशनर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ट्रंप के पश्चिम एशिया में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को शामिल किया गया है।

टोनी ब्लेयर 1997 से लेकर 2007 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद पर रहे। उनके ही नेतृत्व में इराक युद्ध में ब्रिटेन शामिल हुआ था। पीएम पद छोड़ने के बाद टोनी ब्लेयर अंतरराष्ट्रीय शक्तियों अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और यूएन के पश्चिम एशिया में विशेष दूत के रूप में काम कर चुके हैं।

क्या है ट्रंप का बोर्ड ऑफ पीस और ये कैसे काम करेगा

- बोर्ड के अन्य सदस्यों में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ मार्क रोवेन, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बांगा, अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल का नाम शामिल किया गया है।
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि बोर्ड के सदस्य गाजा में स्थिरता लाने और दीर्घकालिक विकास योजना पर काम करेंगे। जिसमें शासन क्षमता निर्माण, क्षेत्रीय संबंध, गाजा में पुनर्निर्माण, निवेश, वित्तपोषण और पूंजी जुटाने का काम करेंगे।
- बोर्ड ऑफ पीस के अलावा एक अलग फलस्तीनी टेक्नोक्रेटिक समिति भी बनाई गई है। इस 15 सदस्यीय समिति का नाम नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन है, जो गाजा में प्रशासन का काम देखेगी।
- फलस्तीनी अथॉरिटी के पूर्व डिप्टी पीएम अली साथ इस एनसीएजी के अध्यक्ष होंगे। साथ ही बुल्गारिया के नेता और पश्चिम एशिया में यूए के विशेष दूत रहे निकोलाई म्लादेनोव इस समिति के सदस्य होंगे।
- ट्रंप की गाजा में अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल को तैनात करने की भी योजना है। ये बल फलस्तीनी पुलिस बल को प्रशिक्षित करेगा। अमेरिका के मेजर जनरल जेस्पर जेफर इस अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल का नेतृत्व करेंगे।
- अमेरिका की शांति योजना बीते साल अक्तूबर में लागू हुई थी, जिसके चलते गाजा में इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम हुआ। हालांकि अभी भी गाजा के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।
- इस शांति योजना के दूसरे चरण में गाजा का पुनर्निर्माण कराया जाएगा और साथ ही हमास का निरशस्त्रीकरण भी कराया जाएगा।

अमेरिका के ईरान पर हमले की आशंका गहराई, निर्वासित युवराज ने भारत के साथ संबंधों पर दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन। ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने अमेरिका में शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के कई सवालों के जवाब दिए। इस दौरान भारत को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में रेजा पहलवी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को सराहा और कहा कि लोकतांत्रिक ईरान में भी दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। शाह के इन बयानों के बाद माना जा रहा है कि अमेरिका ईरान पर जल्द हमला कर सकता है।

ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने शुक्रवार को अपने एक बयान में भारत-ईरान संबंधों की तारीफ की और साथ ही कहा कि दोनों देश नए अध्याय की शुरूआत कर सकते हैं। रेजा पहलवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भारत और ईरान के संबंध दशकों पुराने हैं और उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एक ईरान दौरे की यादें भी साझा

कीं। रेजा पहलवी द्वारा भारत के साथ संबंधों को लेकर की गई बातचीत के बाद ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका जल्द ही ईरान पर हमला कर सकता है और रेजा पहलवी खुद को ईरान के अगले शाह के तौर पर पेश कर रहे हैं।

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के भारत दौरे को किया याद

रेजा पहलवी ने कहा, भारत और ईरान के आधुनिक समय में संबंध मजबूत रहे हैं। रेजा पहलवी ने इंदिरा गांधी के ईरान दौरे को याद करते हुए कहा कि जब भारत की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने ईरान का दौरा किया था, उस वक्त वे बहुत छोटे थे।

रेजा पहलवी ने भारत और ईरान के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध होने की भी बात कही।

ईरान में लोकतंत्र लाने की पैरवी करते हुए निर्वासित युवराज ने कहा, 'लोकतांत्रिक ईरान प्राकृतिक तौर पर उन देशों के साथ मजबूत संबंध रखेगा, जो लोकतांत्रिक ईरान की संप्रभुता और आजादी का सम्मान करेंगे।'

शाह के शासनकाल में पाकिस्तान समर्थक रहा है ईरान

ईरान और भारत के सांस्कृतिक तौर पर मजबूत संबंध रहे हैं और ब्रिटिश काल में भारत और ईरान भौगोलिक तौर पर भी जुड़े हुए थे।

आजादी और बंटवारे के बाद भारत-ईरान का यह भौगोलिक जुड़ाव टूट गया। शाह के शासनकाल में ईरान का जुड़ाव पाकिस्तान के साथ ज्यादा रहा। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स के एक लेख के अनुसार, बंटवारे के बाद सबसे पहले पाकिस्तान को मान्यता देने वाले देशों में ईरान भी शामिल था।

साथ ही 1965 और 1971 की लड़ाई में भी ईरान ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था। शाह के शासनकाल में ईरान, पाकिस्तान का सबसे बड़ा दानदाता भी रहा था।

हालांकि भारत और ईरान के संबंधों को बेहतर करने की कोशिशें जारी रहीं और 1969 में ईरान के शाह और फिर 1973 में तत्कालीन भारतीय पीएम इंदिरा गांधी ने ईरान का दौरा किया था।

इंदिरा गांधी के ईरान दौरे से दोनों देशों के संबंधों में बेहतरी की शुरूआत हुई और जब भारत ने पहली बार परमाणु परीक्षण किया था तो उसके बाद साल 1974 में भी शाह ने भारत का दौरा किया था।

इसके बाद भारत ने ईरान से अपना तेल आयात बढ़ा लिया था। जिससे दोनों देशों के व्यापारिक संबंध बेहतर हुए। शाह के बाद इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ भी भारत के संबंध बेहतर रहे हैं।

47 लाख सोशल मीडिया अकाउंट तक बच्चों की पहुंच रद्द, मेटा ने 5.44 लाख खाते हटाए

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया मंच के इस्तेमाल पर रोक के बाद से, सोशल मीडिया कंपनियों ने बच्चों के रूप में पहचाने गए 47 लाख खातों तक उनकी पहुंच रद्द कर दी है।

सरकार के ई-सेफ्टी कमिश्नर द्वारा जारी डाटा से पता चला है कि 10 दिसंबर को प्रतिबंध लागू होने के बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते डि-एक्टिव कर दिए गए हैं। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा, हमने उन सभी को गलत साबित कर दिया जिन्होंने कहा था कि यह संभव नहीं है। इन लोगों/संस्थाओं में दुनिया की कुछ सबसे शक्तिशाली-धनी कंपनियां व उनके समर्थक भी शामिल हैं। वह बोले, अब ऑस्ट्रेलियाई माता-पिता आश्वस्त हो सकते हैं कि उनके बच्चे अपना बचपन वापस पा सकते हैं। 10 सोशल मीडिया मंच ने सरकार को आंकड़े दिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 47 लाख सोशल मीडिया अकाउंट तक बच्चों की पहुंच रद्द कर दी गई है। इसमें मेटा ने 5.44 लाख खाते हटाए हैं।

कुछ बच्चों के खाते अभी भी सक्रिय

पीएम एंथनी अल्बनीस ने कहा, यह उत्साहजनक है कि कंपनियां प्रतिबंध का पालन कर रही हैं। लेकिन बदलाव रातों-रात नहीं होता। शुरूआती संकेत बताते हैं, बदलाव लाने के लिए जो कदम उठाए गए, वे अहम हैं।

ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने कहा, शुरूआती नतीजे अच्छे हैं। हालांकि उन्होंने माना कि उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों के कुछ खाते अभी भी सक्रिय हैं।

मेटा ने 5.44 लाख खाते हटाए

अभी यह खुलासा नहीं हुआ है कि पाबंदी में शामिल 10 प्लेटफॉर्म में से प्रत्येक ने कितने खाते हटाए। मेटा ने हाल ही में कहा कि उसने 11 दिसंबर तक अपने मंच फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स पर 5.44 लाख से ज्यादा खाते निष्क्रिय कर दिए हैं।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

व्यापार संवाद कार्यक्रम : जीएसटी सुधारों और समाधान योजना पर व्यापारियों से सीधा संवाद

डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ मुख्य अतिथि रहे

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राज्य कर विभाग में शनिवार को व्यापार संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग की ओर से जीएसटी सुधारों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में रिटर्न दाखिला, जीएसटी 2.0 सुधारो के लाभ, पंजीयन, समाधान योजना, ईंट भट्टा, व्यापारी दुर्घटना बीमा की जानकारी दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कहा कि विभाग की कार्रवाई के दौरान यदि तकनीकी पोर्टल की विसंगति के मामले सामने आते हैं तो शासन को अवगत कराया जाए। जिससे तकनीकी त्रुटि को दूर किया जा सके। अपर आयुक्त ग्रेड-1, राज्य कर, जोन- प्रथम गाजियाबाद मानवेन्द्र प्रताप सिंह व विशिष्ट अतिथि अपर आयुक्त (लेखा) राज्य कर, लखनऊ अशोक कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

03 दिन में मिल रहा पंजीयन : पंजीयन और समाधान योजना पर विंध्यावासिनी वर्मा ने पंजीयन की जानकारी देते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों के लिए नियम 14 के अंतर्गत तीन दिन में पंजीयन मिलता है। इससे छोटे व्यापारियों के लिए पंजीयन प्रक्रिया को सरल किया गया। जब व्यापारी का टर्नओवर अधिक हो जाता है तो वह नियम 14 की श्रेणी से बाहर आ सकता है। यदि व्यापारी पंजीयन लेने के उपरांत निरस्त करना चाहता है तो वह स्वेच्छा से पंजीयन कैंसिल करा सकता है।

बिना प्रीमियम 10 लाख का बीमा : अनिल जैन सहायक आयुक्त ने मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना योजना की जानकारी देते हुए कहा विभाग की ओर से प्रदेश में पंजीकृत व्यापारियों के लिए मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना योजना चलाई जा रही है। दुर्घटना में मृत्यु होने पर 10 लाख तथा विकलांगता होने पर भी बीमा का लाभ मिलता है।

इसके अतिरिक्त पंकज लाल उपायुक्त ने रिटर्न दाखिला, अमित कुमार सिंह सहायक आयुक्त ने ईंट भट्टा व निलेश सिंह ने जीएसटी सुधारो की जानकारी दी। व्यापारियों द्वारा सचल दल व्यवस्था में सुधार की बात रखी।

उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के पूर्व सदस्य अशोक गोयल ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। इसके अलावा व्यापार मंडल अधिवक्ता व व्यापारियों की ओर से डॉ अतुल जैन, बाल कृष्ण गुप्ता, तिलक राज अरोड़ा, उअ विभोर जिंदल चेयरमैन क्कअक अधिवक्ता सुनील गोयल, हरमीत सिंह बिट्टा, रविंद्र तेवतिया, नवीन अग्रवाल व अन्य मौजूद रहे। विभाग की ओर से अपर आयुक्त ग्रेड-2 (वि.अनु.शा.) रामकेश्वर, अपर आयुक्त ग्रेड-2 (वि.अनु.शा.) मोनू त्रिपाठी, आयुक्त ग्रेड-2 (अपील) ए. के. सिंह, आयुक्त ग्रेड-2 (अपील) कमलेश कुमार, आयुक्त ग्रेड-2 (अपील) राम मिलन प्रसाद व अन्य मौजूद रहे।

खोड़ा में पानी के संकट पर बड़ा प्रहार : बोर्ड बैठक में 18 करोड़ का बजट मंजूर, एक महीने में शुरू होगा काम

नगर पालिका परिषद की बैठक में 11 में से 10 प्रस्तावों पर लगी मुहर, पेयजल आपूर्ति के लिए बनेंगे अंडरग्राउंड टैंक

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। खोड़ा नगर पालिका परिषद में शनिवार को आयोजित बोर्ड बैठक में क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत देने वाला फैसला लिया गया है। परिषद ने खोड़ा में पेयजल की गंभीर समस्या को दूर करने के लिए 18 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि मंजूर की है। इस राशि से उन वार्डों में प्राथमिकता के आधार पर पानी पहुँचाया जाएगा, जो वर्तमान में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। बैठक में हल्की नोकझोंक और हंगामे के बीच कुल 11 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 10 को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस महत्वपूर्ण योजना के लिए बजट की व्यवस्था 15वें वित्त आयोग से की गई है। योजना के तहत खोड़ा के विभिन्न क्षेत्रों में विशाल अंडरग्राउंड टैंक (भूमिगत जलाशय) बनाए जाएंगे। इन टैंकों से पाइपलाइन के जरिए सीधे लोगों के घरों तक जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। ईओ शैलेंद्र सिंह के मुताबिक, अगले एक महीने के भीतर जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

बैठक के दौरान पानी के मुद्दे पर सभासदों ने जमकर आवाज उठाई। सभासद दल के नेता सतीश गुप्ता ने पानी के मुद्दे पर केवल बजट पास करने के बजाय एक ठोस और पारदर्शी रणनीति बनाने का प्रस्ताव रखा। इसका अधिकांश सभासदों ने समर्थन किया और मांग की कि कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा का सख्त पालन हो। खोड़ा नगर पालिका चेयरमैन मोहिनी शर्मा ने बताया कि शनिवार को बोर्ड बैठक में अहम प्रस्तावों पर भी लगी मुहर। पेयजल के अलावा बोर्ड बैठक में खोड़ा के विकास और व्यवस्था सुधार से जुड़े कई अन्य निर्णय लिए गए।

अतिक्रमण हटाओ अभियान: खोड़ा के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने का प्रस्ताव पारित।

अवैध डेरियों पर कार्रवाई: शहर में गंदगी फैलाने वाली अवैध डेयरी संचालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

राजस्व वसूली: बकाया गृहकर की वसूली के लिए अभियान चलाया जाएगा।

पार्क और मरम्मत: अंबेडकर पार्क का निर्माण होगा और प्रत्येक वार्ड में सड़कों व नालियों की मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

प्रकाश व सफाई: स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नए उपकरणों और वाहनों की मरम्मत का बजट पास हुआ। उन्होंने कहा कि जल्दी खोड़ा में पानी की अवस्था भी की जा रही है जिसका बोर्ड बैठक में 18 करोड़ का प्रस्ताव पास हो गया।

खोड़ा नगर पालिका परिषद ईओ शैलेंद्र सिंह ने बताया कि बोर्ड बैठक में रखे गए 11 प्रस्तावों में से 10 को पारित कर दिया गया है। भवन निर्माण उपविधि की स्वीकृति को फिलहाल रोक दिया गया है। हमारा मुख्य फोकस पानी की समस्या का स्थायी समाधान करना है, जिसके लिए एक माह में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू करा दिया जाएगा।

शहीद नगर में पार्षद प्रतिनिधि हाजी मोहम्मद कलाम ने नारियल फोड़कर किया सड़क व नाली निर्माण का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम के वार्ड संख्या 34, शहीद नगर में क्षेत्रीय विकास को गति देते हुए शनिवार को निर्माण कार्यों का आगाज किया गया। क्षेत्र की पार्षद खुर्शीदा कल्लन के सौजन्य से जी-ब्लॉक स्थित रामस्वरूप कॉलोनी, बिन्दा पंडित वाली गली में नाली एवं सीसी रोड के निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप से हाजी मोहम्मद कल्लन ने नारियल फोड़कर कार्य की शुरूआत की। उन्होंने स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वार्ड की हर गली को पक्का करना और जल निकासी की समस्या को दूर करना उनकी प्राथमिकता है। इस नई सड़क और नाली के बनने से कॉलोनी वासियों को जलभराव और गंदगी की समस्या से निजात मिलेगी।

उद्घाटन समारोह के दौरान भारी संख्या में स्थानीय लोग और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेहरबान अब्बासी, मोहम्मद अजीम मंसूरी, तय्यब भाई, अय्यूब भाई, फि रोज मलिक, नसीम भाई, निजाम अब्बासी, शकील अब्बासी, दिलशाद मलिक, महफूज मुल्ला जी, असलम अब्बासी, नन्ने अब्बासी, इमरान अब्बासी, रहीस अब्बासी, अरमान और फरमान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। क्षेत्रीय निवासियों ने विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जाहिर की और पार्षद प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया।

न्याय खंड-3 में नाले के निर्माण ने बढ़ाई मुसीबत

सड़कों पर फैली गंदगी देख भड़के पार्षद अनुज त्यागी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के न्याय खंड-3 में चल रहे नाला निर्माण कार्य की कछुआ चाल और गलियों में फैली भीषण गंदगी ने स्थानीय निवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। क्षेत्र की बदहाली और जनता की शिकायतों को देखते हुए क्षेत्रीय पार्षद अनुज त्यागी ने मौके पर पहुंचकर जमकर नाराजगी जाहिर की।

काम में देरी पर जेई पूजा सिंह मौके पर पहुंची और समस्या से से अवगत कराए। पार्षद अनु त्यागी ने बताया कि पिछले 8-10 दिनों से नाला निर्माण का कार्य सुस्त गति से चल रहा है, जिसके कारण खुदाई की गई मिट्टी और गंदगी पूरी गलियों में फैल गई है। पार्षद अनुज त्यागी ने स्थिति का जायजा लेने के लिए नगर निगम के जेई को मौके पर बुलाया। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में देरी की वजह से आम जनता को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद के तेवर देख जेई ने तत्काल ठेकेदार को मौके पर तलब किया। पार्षद ने साफ चेतावनी दी कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बादः जेई पूजा सिंह ने ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

अगले कुछ दिनों के भीतर काम को पूरा करने और गलियों की सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। पार्षद ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि वे खुद कार्य की निगरानी करेंगे ताकि जल्द से जल्द राहत मिल सके। निर्माण कार्य तय समय से पीछे चल रहा है। मैंने अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया है कि काम जल्द से जल्द और गुणवत्ता के साथ पूरा होना चाहिए।

गाजियाबाद में प्रदूषण मापक यंत्रों की कमी

31 जनवरी के बाद सील होंगी औद्योगिक इकाइयां

साहिबाबाद करंट क्राइम। एक तरफ एनसीआर में प्रदूषण रोकथाम को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) सख्त है। दूसरी ओर उद्यमी औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण मापक यंत्र लगाने में लापरवाही बरत रहे हैं। जो यंत्र लगाने में रुचि दिखा रहे हैं उन्हें मिल नहीं पा रहे।

अभी तक महज 23 प्रतिशत औद्योगिक इकाइयों पर भी मापक यंत्र लगे हैं। महज दो सप्ताह बाद से ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की टीम कार्रवाई शुरू कर देगी। जिन इकाइयों में मापक यंत्र नहीं लगे मिले उन्हें सील करते हुए संचालन बंद किया जाएगा।

गाजियाबाद रीजन में गाजियाबाद व हापुड़ आते हैं। प्रथम चरण में मेटल, टेक्सटाइल व खाद्य से जुड़ी इकाइयों में मापक यंत्र लगाए जाने हैं। यूपीपीसीबी के आंकड़ों में इन तीनों श्रेणियों की दोनों जिलों में करीब 277 इकाइयां हैं। इनमें से अभी तक महज 64 ने ही मापक यंत्र लगे हैं। इनमें से भी 42 वे हैं, जिन्होंने पहले से ही मापक यंत्र लगवा रखे थे। सीएक्यूएम के आदेश के बाद महज 22 ने ही यंत्र लगवाए हैं। जबकि सीपीसीबी द्वारा केवल जनवरी माह की ही छूट दी गई है। 31 जनवरी से सीपीसीबी की टीम दोनों जिलों में औचक निरीक्षण शुरू कर देगी।

इस दौरान मौके पर जिस भी इकाई पर मापक यंत्र लगे नहीं पाए गए उनके बिजली कनेक्शन काटने और सील करने की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि तीनों श्रेणियों के हजारों उद्योग संचालित हो रहे हैं, जो मानकों का पालन नहीं कर रहे।

काला जादू का खौफनाक खेल, दोस्तों ने अमीर बनने के चक्कर में ऑटो चालक की दी मानव बलि; पुलिस ने कैसे सुलझाया रहस्य?

साहिबाबाद करंट क्राइम। पुलिस ने 14 जनवरी को ट्रॉनिका सिटी इलाके में जली हुई ऑटो-रिक्शा और उसके अंदर मिली जली हुई लाश का रहस्य सुलझा लिया है। ऑटो-रिक्शा में मिली लाश की पहचान ऑटो ड्राइवर के रूप में हुई है।

दिल्ली के एक तांत्रिक की सलाह पर उसके दोस्तों ने काला जादू की रस्म के तहत मानव बलि देने के लिए उसकी हत्या कर दी थी। आरोपियों ने गैस सिलेंडर से सिर पर वार करके उसकी हत्या की। अपने अपराध को छिपाने के लिए आरोपियों ने ऑटो-रिक्शा और लाश को आग लगा दी।

दिल्ली के तांत्रिक ने उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान पाने और बाद में अमीर बनने के लिए मानव बलि देने का निर्देश दिया था। आरोपियों को लगा कि ऑटो ड्राइवर उनमें से किसी एक की बलि दे सकता है, इसलिए खुद को बचाने के लिए उन्होंने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी।

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से अपराध में इस्तेमाल किया गया गैस सिलेंडर बरामद कर लिया है।

गाजियाबाद में लोनी में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

18 अवैध फैक्ट्रियां हुई सील बिजली के कनेक्शन भी कटे

शिकायत के आधार पर ही की गई है सीलिंग की कार्रवाई

साहिबाबाद करंट क्राइम। लोनी के टीला शहबाजपुर बेहटा हाजीपुर में शनिवार को जिला प्रशासन, विद्युत निगम और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संयुक्त रूप से 18 अवैध फैक्ट्रियों के कनेक्शन काटने व सीलिंग की कार्रवाई की। इस दौरान अवैध फैक्ट्री संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। कई संचालक फैक्ट्री बंद करके भाग गए।

टीला शहबाजपुर बेहटा हाजीपुर में कार्रवाई करते हुए ब्रह्मपाल व अशोक कुमार द्वारा संचालित एक-एक यूनिट सील की गई। सचिन मावी की कुल चार यूनिट सील की गईं। इसके अलावा तिलक राम की पांच इकाई सील की गईं।

सचिव मावी की पांच, वेशराम व विरेंद्र कुमार की एक-एक यूनिट सील की गई। इसके अलावा कृष्णा विहार में कृष्णा इंजीनियरिंग में कास्टिंग व ढलाई का अवैध रूप से कार्य किया जा रहा था। इसे सील किया गया।

यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि यहां से अवैध फैक्ट्रियों की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर ही सीलिंग की कार्रवाई की गई है। अवैध फैक्ट्रियों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

वसुंधरा में मतदाता पंजीकरण अभियान तेज

मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी के नेतृत्व में लगे कैंप

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा क्षेत्र में नए वोट बनवाने और मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वसुंधरा मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर फॉर्म-6 भरने हेतु कैंपों का आयोजन किया गया। इन कैंपों में स्थानीय नागरिकों ने उत्साह दिखाया और बड़ी संख्या में अपने नए वोट बनवाने के लिए आवेदन किए।

अभियान को सफल बनाने के लिए वसुंधरा के प्रत्येक वार्ड में स्थानीय पार्षदों और मंडल की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। विनीत त्यागी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वोट डालने के अधिकार से वंचित न रहे।

कैंप के दौरान विशेषकर उन युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला, जिन्होंने हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूरी की है। टीम के सदस्यों ने लोगों को फॉर्म भरने में तकनीकी सहायता भी प्रदान की।

विनीत त्यागी ने कहा कि आने वाले दिनों में भी इस तरह के कैंप जारी रहेंगे ताकि वसुंधरा मंडल का हर नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सके। इस अवसर पर पार्षदों में सत्येंद्र चौधरी, नीलम भारद्वाज, नरेश भाटी, राजकुमार भाटी, प्रतिभा शर्मा, शिल्पा चौधरी, पार्षद प्रतिनिधि आशीष चौधरी, मंडल महामंत्री अमरेश चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र ठाकुर, मंडल मंत्री लव कुमार, शक्ति केंद्र संयोजक मंजू त्यागी, एचपी राणा, पुनिस कुमार, राजेंद्र अधिकारी आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद के मुरादनगर में दिनदहाड़े लूट महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर गहने छीने

मुरादनगर करंट क्राइम। मुरादनगर थाना क्षेत्र में रेलवे रोड पुलिस चौकी के पास शनिवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने एक महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर उसके गहने लूट लिए। महिला को होश आने पर पता चला कि उसके साथ क्या हुआ है। इस वारदात को दो आरोपियों ने अंजाम दिया।

बदमाशों ने महिला को रास्ता पूछने के बहाने निशाना बनाया। इस घटना से पुलिस की लापरवाही भी सामने आई है। महिला के पति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मुरादनगर के जलालपुर रोड निवासी बिजेंद्र की पत्नी मधुबाला एक गृहिणी हैं। वह शनिवार सुबह किराने का सामान खरीदने रेलवे रोड गई थीं।

खरीदारी के बाद जब वह लौट रही थीं, तो एक युवक ने पुलिस चौकी के पास उन्हें रोककर मोदीनगर का रास्ता पूछा। महिला ने उसे रास्ता बता दिया। इसके बाद आरोपी थोड़ी दूर जाकर खड़ा हो गया। इसी बीच, दूसरा आरोपी पीछे से आया और उससे बात करने लगा। इसी दौरान, आरोपियों ने महिला को कपड़े से नशीला पदार्थ सुंघा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद उन्होंने उसके कान की बालियां और सोने की चेन चुरा ली।

कुछ देर बाद महिला को होश आया और उसे पता चला कि उसके साथ क्या हुआ है। उसे पूरी तरह ठीक होने में थोड़ा समय लगा। उसे चक्कर आ रहे थे। आसपास के लोगों की मदद से वह अपने घर पहुंची और अपने परिवार को सब कुछ बताया। इसके बाद वह अपने पति बिजेंद्र के साथ थाने गई और शिकायत दर्ज कराई।

महिला ने बताया कि आरोपियों ने उसे कागजों का एक बंडल भी दिया था। कपड़े से नशीला पदार्थ सुंघाने के बाद उसे कुछ याद नहीं है। एसीपी ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले को सुलझा लिया जाएगा।

शोक संदेश

बड़े ही दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे छोटे भाई प्रमोद कुमार शर्मा का दिनांक 6 जनवरी 2026 को आकस्मिक निधन हो गया था। प्रभु की ऐसी इच्छा थी। उनकी तेरहवीं दिनांक 18 जनवरी 2026 दिन रविवार को है।

दिनांक 18 जनवरी 2026
दिन रविवार

हवन पूजा	---	10:00 बजे
ब्रह्मभोज	---	12:00 बजे
रसम पगड़ी	---	3:00 बजे

पारस शर्मा (पुत्र)
प्रत्यक्ष शर्मा (पुत्र)
यश भारद्वाज (भतीजा)
अंकित भारद्वाज (भतीजा)

स्थान:- शंकर विहार कॉलोनी, थाने के सामने मुरादनगर

शोकाकुल परिवार
रवि दत्त शर्मा (पिता)
विनोद कुमार भारद्वाज एडवोकेट (भाई)
+919958079569,+919557558147